www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 उपराष्ट्रपति चुनाव में दक्षिण बनाम दक्षिण, राधाकृष्णन के सामने सुदर्शन

निक्की हेली बोलीं- भारत से रिश्ते बिगाड़ना बड़ी गलती 06

वर्ष :17 | अंक :142 | प्रयागराज , शुक्रवार 22 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में भारी बारिश से कृष्णा नदी बेसिन में बाढ़ का खतरा, प्रशासन ने चेतावनी जारी की

कृष्णा नदी बेसिन के आसपास लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है, जिससे अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन को अलर्ट जारी करना पड़ा है। दोनों जिला प्रशासनों ने देखभाल केंद्र स्थापित किए हैं और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है। अलमट्टी बाँध से 2.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड, अलमट्टी बाँध के सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम 6 बजे पानी का औसत प्रवाह 1.6 लाख क्यूसेक था और वर्तमान बहिर्वाह 2.5 लाख क्यूसेक था। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र से भारी मात्रा में पानी आने के कारण कृष्णा नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि लगातार बारिश और महाराष्ट्र से भारी पानी आने के कारण बसवा सागर जलाशय, जिसे नारायणपुर बांध भी कहा जाता है, के सभी 30 गेट खोल दिए गए हैं।

आसमान में था विमान, तभी आ गई तकनीकी खराबी, गुवाहाटी में कराई गई आपात लैंडिंग

गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर संचालित एलायंस एयर की उड़ान संख्या 9क756 को बुधवार को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद गुवाहाटी हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। एहतियात के तौर पर और मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, विमान को गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उतारा गया। एलायंस एयर ने एक बयान में कहा, सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और आवश्यक व्यवस्थाएँ कर ली गईं। समस्या के कारणों का पता लगाने के लिए आंतरिक जाँच चल रही है। एलजीबीआई हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने आगे कहा, तकनीकी खराबी के कारण जीएयू-सीसीयू उड़ान के मार्ग परिवर्तन के बाद, 20 अगस्त को दोपहर 1.42 बजे गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। हवाई अड्डे के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि विमान ने दोपहर 1.09 बजे गुवाहाटी से कोलकाता के लिए उड़ान भरी थी। प्रवक्ता ने बताया कि विमान दोपहर 2.27 बजे हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया और 2.40 बजे आपातकालीन स्थिति समाप्त हो गई। उन्होंने आगे कहा कि यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया और टर्मिनल कर्मचारियों ने उनकी सहायता की।

राज्यसभा में भी पास हुआ ऑनलाइन गेमिंग विधेयक

अश्विनी वैष्णव बोले- बड़ी बुराई से बचने के लिए लाया गया विधेयक

विधेयक को मंजूरी

राज्यसभा में बोलते हुए, वैष्णव ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग एक महत्वपूर्ण विषय है जो डिजिटल दुनिया में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है। इसके तीन खंड हैं - पहला खंड ई-स्पोर्ट्स है, जिसमें लोग टीम बनाकर खेलते हैं, समन्वय सीखते हैं, रणनीतिक सोच रखते हैं। हमारे खिलाड़ियों ने कई पदक भी जीते हैं।

एजेंसी

दिल्ली। संसद ने बृहस्पतिवार को ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है। राज्यसभा में ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इसे बुधवार को ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन में विधेयक को चर्चा के लिए पेश करते हुए वैष्णव ने कहा कि ऑनलाइन मनी गेम आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा वह जिदंगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं। मंत्री ने कहा कि इस आनलाइन गेमिंग के कारण कई परिवार बर्बाद हो गए और कई आत्महत्याएं हुई हैं। उन्होंने इस संबंध में कई खबरों का हवाला भी दिया। उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि देश के युवाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक पर विपक्ष के सदस्यों को चर्चा में भाग लेना चाहिए। जिस समय वैष्णव यह बात कह रहे थे, विपक्ष के सदस्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे।

लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

बिरला ने कहा- नियोजित तरीके से डाला गया व्यवधान

संसद के मानसून सत्र 2025 का अंतिम दिन होने के कारण, गुरुवार को लोकसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही समाप्त की और मानसून सत्र का औपचारिक समापन किया। सत्र के अंतिम दिन अपने अंतिम संबोधन में, लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में शिष्टाचार और परंपराओं के अभाव पर चिंता व्यक्त की

और विपक्ष की सुनियोजित व्यवधानों और नारेबाजी के लिए आलोचना की। उन्होंने गरिमापूर्ण चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदन की 37 घंटे की सीमित उत्पादकता के लिए सुनियोजित व्यवधानों और हंगामे को जिम्मेदार ठहराया

मंत्रिसमूह ने केंद्र के दो जीएसटी स्लैब के प्रस्ताव को किया स्वीकार

मिडिल क्लास को बड़ी राहत की उम्मीद

जीएसटी पर मंत्रिसमूह ने 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत स्लैब को खत्म करने को मंजूरी दी। इसके साथ ही केंद्र सरकार के 5 और 18 प्रतिशत की दो स्लैब संरचना अपनाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। बिहार के उपमुख्यमंत्री और कर-युक्ति के संयोजक मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि छह सदस्यीय राज्य मंत्रिस्तरीय पैनल ने 12 और 28 प्रतिशत की कर दरों को हटाने के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया है। चौधरी ने पैनल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि कर-युक्ति के संबंध में केंद्र के दोनों प्रस्तावों को मंत्री समूह ने स्वीकार कर लिया है।

लोकसभा चुनाव के नतीजों में हेरफेर किया गया : राहुल गांधी

मुंगेर में बारिश के बीच दिया भाषण, कहा- बिहार में वोट चोरी नहीं होने देंगे

राहुल गांधी ने कहा- बिहार में भी ऐसा ही करने की तैयारी है। पिछली बार भी हमारे गठबंधन की हार के पीछे भी चुनाव चोरी का ही मामला होगा। हर प्रदेश में पीएम मोदी, बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। इस बार हमारे हाथ में सबूत है। हम बिहार में एक वोट चोरी नहीं करने देंगे। बिहार की शक्ति इस यात्रा में दिख रही है।

एजेंसी

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के पांचवे दिन राहुल गांधी ने मुंगेर में बारिश के बीच भाषण दिया। उन्होंने कहा- कुछ सालों से चुनाव हो रहे हैं। पब्लिक का मूड एक होता, लेकिन नतीजा दूसरा निकलता है। सबको लगता था कि चुनाव में कुछ ना कुछ गलत हो रहा है।

सिपाही के पैर पर चढ़ी तेजस्वी की गाड़ी

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान गुरुवार को शेखपुरा में झारखंड सशस्त्र पुलिस का सिपाही शंभू सिंह (40 साल) तेजस्वी की गाड़ी के नीचे आ गया। उनके दाहिने पैर की हड्डी 3 जगह से टूट गई। गंभीर हालत में उन्हें पटना रैफर किया गया है। बताया जा रहा है कि शेखपुरा शहर के खांड इलाके में काफिला पहुंचने के दौरान शंभू सुरक्षा घेरे में चल रहे थे। तेज गर्मी के कारण वे अचानक गिर गए। उसी दौरान तेजस्वी की गाड़ी जवान के पैर के ऊपर से गुजर गई। दो दिन पहले नवादा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की गाड़ी ने पुलिसकर्मी महेश कुमार को टक्कर मार दी थी। हादसे में महेश का पैर फ्रैक्चर हो गया था। इस मामले में घायल पुलिस वाले ने राहुल गांधी की गाड़ी के ड्राइवर पर नवादा के नगर थाने में प्राथमिकी कराई है। वोटर अधिकार यात्रा का आज 5वां दिन है। इसकी शुरूआत शेखपुरा के त्रिमुहानी स्थित दुर्गा मंदिर से हुई। यात्रा अब लखीसराय पहुंच चुकी है। राहुल गांधी भी अब इस यात्रा में शामिल हो चुके हैं।

राहुल गांधी ने यह दावा किया

मुझे पूरा विश्वास है कि पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों में हेरफेर किया गया था। महाराष्ट्र में पहली बार सबूत मिला कि चुनाव आयोग और बीजेपी मिलकर चुनाव चोरी कर रहे हैं। जिन्होंने लोकसभा में वोट नहीं किया, केवल विधानसभा में किया। ये सारे वोट बीजेपी के गठबंधन में गए। हमारा वोट कम नहीं हुआ लेकिन जहां ये वोट बड़ा वहां बीजेपी की जीत हुई। मुंबई के एक विधानसभा में दूध का दूध पानी का पानी हो गया।

उपराष्ट्रपति पद के लिए बी. सुदर्शन रेड्डी ने दाखिल किया नामांकन

मौजूद रहे इंडिया ब्लॉक के बड़े नेता

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। यह पद जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन पद छोड़ने के बाद रिक्त हुआ था।

एजेंसी

उपराष्ट्रपति पद के लिए इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित वरिष्ठ विपक्षी नेताओं की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया। एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार, सपा सांसद राम गोपाल यादव, डीएमके सांसद तिरुचि शिवा, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत और अन्य इंडिया ब्लॉक नेता भी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। यह पद जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन पद छोड़ने के बाद रिक्त हुआ था।

कांग्रेस के युवा नेताओं से घबरा गए हैं राहुल गांधी

स्पीकर की चाय पार्टी में बोले पीएम मोदी

सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने आगे कहा कि ऐसे युवा नेताओं की मौजूदगी से राहुल गांधी असुरक्षित और घबराए हुए महसूस कर रहे होंगे। उपस्थित लोगों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सत्र को एक उत्पादक सत्र बताया और कहा कि कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए।

एजेंसी

गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद, अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कक्ष में एक अनौपचारिक चाय पार्टी का आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह, तथा एनडीए के सहयोगी दलों के सदन के नेता शामिल हुए। पिछले सत्र की तरह, विपक्ष के नेताओं ने इस बैठक से दूर रहने का फैसला किया, जिससे एक बार फिर उनकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस में, कई युवा नेता बेहद प्रतिभाशाली हैं, लेकिन पारिवारिक असुरक्षा के कारण उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने आगे कहा कि ऐसे युवा नेताओं की मौजूदगी से राहुल गांधी असुरक्षित और घबराए हुए महसूस कर रहे होंगे। उपस्थित लोगों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सत्र को एक उत्पादक सत्र बताया और कहा कि कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। इनमें से, उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर विशेष जोर दिया और इसके दूरगामी परिणामों और नागरिकों के जीवन पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों पर वर्तमान में जितनी गंभीरता से राजनीतिक चर्चा होती है।

हमले के बाद केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से मिलीं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल द्वारा साझा की गई एक तस्वीर में, दिल्ली की मुख्यमंत्री लोकसभा सांसद मनोज तिवारी सहित मंत्रियों के साथ बैठी नजर आ रही हैं। खंडेलवाल ने तस्वीर के साथ लिखा कि आज मैंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और दिल्ली के अपने सभी साथी सांसदों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना।

एजेंसी

जन शिकायत सुनवाई कार्यक्रम के दौरान उन पर हुए हमले के एक दिन बाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गुरुवार को केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से बातचीत करती नजर आईं, जिन्होंने उनसे मिलकर उनका हालचाल पूछा। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल द्वारा साझा की गई एक तस्वीर में, दिल्ली की मुख्यमंत्री लोकसभा सांसद मनोज तिवारी सहित मंत्रियों के साथ बैठी नजर आ रही हैं। खंडेलवाल ने तस्वीर के साथ लिखा कि आज मैंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और दिल्ली के अपने सभी साथी सांसदों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पूरी तरह स्वस्थ हैं और पहले की तरह दिल्ली की जनता के काम में पूरी लगन से जुटी हुई हैं।

आज भी सारे जहां से अच्छा दिखता है भारत...

शुक्ला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं इस देश के हर नागरिक का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इस तरह से व्यवहार किया जिससे ऐसा लगा कि यह मिशन वाकई उनका है। मुझे सचमुच लगा कि यह पूरे देश का मिशन है। उन्होंने यह भी कहा कि आज भी अंतरिक्ष से भारत दुनिया में सबसे सुंदर दिखता है।

शुभांशु शुक्ला बोले- स्पेस स्टेशन जाना पूरे देश का मिशन था

एजेंसी

अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने गुरुवार को एक्सिओम-4 मिशन के बारे में बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहला अनुभव अमूल्य था। शुक्ला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं इस देश के हर नागरिक का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इस तरह से व्यवहार किया जिससे ऐसा लगा कि यह मिशन वाकई उनका है। मुझे सचमुच लगा कि यह पूरे देश का मिशन है। उन्होंने यह भी कहा कि आज भी अंतरिक्ष से भारत दुनिया में सबसे सुंदर दिखता है। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मैं भारत सरकार, इसरो और अपने सहयोगियों का धन्यवाद करना चाहता हूँ... हम फाल्कन 9 यान के ऊपर उड़ान भर रहे थे... क्रू ड्रैगन उन तीन यानों में से एक है जो इंसानों को अंतरिक्ष में ले जा सकते हैं... इस मिशन में मेरा काम मिशन पायलट का था। क्रू ड्रैगन में चार सीटें हैं। मैं मिशन पायलट था और मुझे कमांडर के साथ काम करना था और क्रू ड्रैगन की प्रणालियों के साथ बातचीत करनी थी... हमें भारतीय शोधकताओं द्वारा परिकल्पित, विकसित और कार्यान्वित किए गए प्रयोग करने थे। साथ ही, रळएट प्रदर्शन भी करने थे, तस्वीरें और वीडियोग्राफ भी लेने थे। उन्होंने कहा कि मानव अंतरिक्ष मिशन को अंजाम देने का फायदा सिर्फ.प्रशिक्षण से कहीं ज्यादा है। वहाँ जाने मात्र से हमें जो अतिरिक्त ज्ञान मिलता है, वह अमूल्य है। पिछले एक साल में मैंने जो भी जानकारी इकट्ठा की है, वह हमारे अपने मिशनों, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए बेहद उपयोगी होगी.

10-15 साल बाद कैसी होगी बीजेपी की लीडरशिप

प्रशांत किशोर का बड़ा दावा

किशोर ने कहा कि मैं यहाँ बैठे आप सभी से आडवाणी और मोदी में से किसी एक को चुनने के लिए कहूँगा। आप सब आडवाणी को चुनेंगे। आडवाणी चाहे कितने भी खतरनाक क्यों न हों, मोदी उससे भी ज्यादा खतरनाक हैं।

एजेंसी

बिहार चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर भी पूरे बिहार में प्रचार कर रहे हैं। लगभग 20% मुस्लिम आबादी वाले राज्य में, राजनीतिक दल इस समुदाय को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें प्रशांत किशोर लालकृष्ण आडवाणी, नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तुलना करके मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ वोट देने के लिए प्रेरित करते नजर आ रहे हैं। किशोर ने कहा कि मैं यहाँ बैठे आप सभी से आडवाणी और मोदी में से किसी एक को चुनने के लिए कहूँगा। आप सब आडवाणी को चुनेंगे। आडवाणी चाहे कितने भी खतरनाक क्यों न हों, मोदी उससे भी ज्यादा खतरनाक हैं। लिख लीजिए - दस साल बाद, जब मैं आपसे फिर मिलूँगा, तो मैं आपसे एक बार फिर पूछूँगाः कौन बेहतर है - योगी या मोदी? और आप कहेंगेः मोदी तो फिर भी बर्दाश्त करने लायक थे।

चुनौती मदुरै में दिखे विजय के तेवर, पीएम मोदी को दी बड़ी चुनौती

शेर सिर्फ.शिकार करने निकलता है, मनोरंजन के लिए नहीं...

एजेंसी

नयी दिल्ली। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले, अभिनेता-राजनेता और तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख विजय ने गुरुवार दोपहर मदुरै जिले में अपनी विशाल रैली की। विजय अपनी पार्टी को तमिलनाडु की राजनीति में एक तीसरे मोर्चे के रूप में पेश करना चाहते हैं, जो सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) दोनों का विकल्प हो। उन्होंने कहा कि शेर भीड़ में रहना जानता है और अकेले रहना भी जानता है। वह अनोखा होता है। शेर सिर्फ. शिकार करने निकलता है, मनोरंजन के लिए नहीं। वह हमेशा ज़िंदा शिकार ही करता है। टीवीके प्रमुख और अभिनेता

विजय ने कहा कि हमारा एकमात्र वैचारिक दुश्मन भाजपा है, हमारा एकमात्र राजनीतिक दुश्मन डीएमके है... टीवीके कोई ऐसी पार्टी नहीं है जिसकी शुरूआत सिर्फ.राजनीतिक फायदे के लिए हुई हो। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा है। हमारी सरकार उन सभी लोगों के प्रति मित्रवत रहेगी जिन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जैसे किसान, युवा, ट्रांसजेंडर, देखभाल से वंचित बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम लोग। केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए विजय ने

टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय ने कहा कि हमारा एकमात्र वैचारिक दुश्मन भाजपा है, हमारा एकमात्र राजनीतिक दुश्मन डीएमके है... टीवीके कोई ऐसी पार्टी नहीं है जिसकी शुरूआत सिर्फ.राजनीतिक फायदे के लिए हुई हो। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा है।

कहा कि एनईईटी रद्द करो! क्या तुम ऐसा कर सकते हो, नरेंद्र मोदी अवर्गल? उन्होंने कहा कि अपनी ज़िद के चलते आप एनईईटी परीक्षा थोपते रहते हैं, और इसकी वजह से यहाँ जो हो रहा है, उसके बारे में बोलते हुए भी मुझे बहुत दुख होता है। एनईईटी को खत्म कर देना चाहिए। क्या आप ऐसा करेंगे? आप हमें वो कभी नहीं देंगे जो हम चाहते हैं या वो नहीं करेंगे जो हमारे लिए सही है। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 800 मछुआरों पर हमला किया है। हमारे मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कच्चातीवु (द्वीप) वापस ले लें और हमें दे दें। हुंकार भरते हुए विजय ने गदावा किया कि टीवीके कोई ऐसी पार्टी नहीं है जो अंडरग्राउंड डील करती हो, गठबंधन बनाती हो और लोगों को धोखा देती हो। हम किसी से नहीं डरते। तमिलनाडु की जनता, महिलाएँ और युवा हमारे साथ खड़े हैं। डीएमके का भाजपा के साथ गुप्त गठबंधन है, लेकिन वे ऐसा नाटक करते हैं मानो वे भाजपा का विरोध कर रहे हों।

अठारह साल की आयु से अधिक के व्यक्ति असम में पहली बार आधार कार्ड नहीं बनवा पाएंगे: हिमंत

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि 18 साल से अधिक की आयु के व्यक्तियों को आधार कार्ड का आवेदन करने के लिए केवल एक महीने का समय दिया जाएगा, बशर्ते कि अभी तक आधार कार्ड नहीं बनवाया हो।

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय के तहत, 18 वर्ष से अधिक की आयु के व्यक्ति राज्य में पहली बार आधार कार्ड नहीं बनवा पाएंगे। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि 18 साल से अधिक की आयु के व्यक्तियों को आधार कार्ड का आवेदन करने के लिए केवल एक महीने का समय दिया जाएगा, बशर्ते कि अभी तक आधार कार्ड नहीं बनवाया हो। हालांकि, उन्होंने कहा कि चाय बागानों में रहने वाले आदिवासी, 18 वर्ष से अधिक आयु के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को अगले एक साल तक आधार कार्ड जारी किये जाएंगे। शर्मा ने कहा, आधार कार्ड जारी करने पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को नागरिकों की पहचान की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। यह कदम पिछले एक साल में बांग्लादेश से संभावित घुसपैठ से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के प्रति सरकार द्वारा ध्यान दिये जाने को प्रदर्शित करता है।

सम्पादकीय

चुनौती का सामना करें एमएसएमई, वैश्विक बाजार में बढ़ानी होगी अपनी शक्ति

हमारे एमएसएमई गुणवत्ता में सुधार के साथ ही नई तकनीक अपनाते हुए ही वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। चूंकि एमएसएमई आर्थिकी के एक मजबूत इंजन की तरह काम कर रहे हैं इसलिए उन्हें लगातार सहयोग प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जानी चाहिए।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप की टैरिफ की चुनौती को देखते हुए देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को हरसंभव तरीके से आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि हम जितना ज्यादा स्वदेशी अपनाएंगे, उतना ही देश मजबूत होगा। इसके बाद स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सरलीकरण की जो घोषणा की उससे एमएसएमई को बड़ा लाभ होगा। देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई की चुनौतियों के समाधान के लिए नई रणनीति पर आगे बढ़ना भी जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का सीधा असर देश के एमएसएमई पर कुछ दिखने लगा है। उद्योग संगठनों के अनुमान के मुताबिक इससे एमएसएमई के 30 अरब डालर मूल्य के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा। कपड़ा, रत्न, रसायन और चमड़ा जैसे क्षेत्रों को ऊंचे टैरिफ से अधिक नुकसान की आशंका है। अमेरिकी खरीदार भारत के लिए अपने निर्यात आदेशों को बदल रहे हैं। बढ़े हुए टैरिफ से एमएसएमई की चुनौतियों से तमाम नौकरियां भी खतरे में पड़ गई हैं। कई बैंक ऋण देने में संकोच कर रहे हैं। इसके अलावा डिजिटल ढांचा, कुशल श्रमिक, बाजार पहुंच, फंडिंग की कमी टेक्नोलाजी, सप्लाई चेन, डाटा सुरक्षा और स्किल डेवलपमेंट में भी उनकी चुनौतियां हैं। आइटी सेक्टर से जुड़े स्टार्टअप्स के समक्ष व्यावहारिक मार्गदर्शन, एक्सेस और प्रारंभिक निवेश की चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्यमों में खराब तकनीक और कमजोर लाजिस्टिक व्यवस्था के कारण गुणवत्ता में कमी की चुनौती है। ऊर्जा की अनियमित आपूर्ति और बड़ी कंपनियों से भुगतान में देरी एमएसएमई के विकास में बड़ी बाधा हैं। एमएसएमई क्षेत्र की उत्पादन, निर्यात और रोजगार में अहम भूमिका है। एमएसएमई मंत्री ने हाल में संसद में बताया कि देश में इस समय पंजीकृत 6.5 करोड़ एमएसएमई करीब 28 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30.1 प्रतिशत है। एमएसएमई विनिर्माण में 35.4 प्रतिशत और निर्यात में 45.73 प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के बजट में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की जो एक वृहद शृंखला प्रस्तुत की गई

आज का विचार

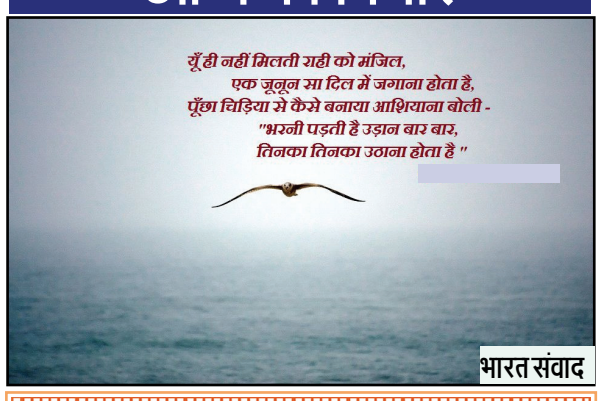

राशिफल

मेष राशि : आपका दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कामकाज सामान्य गति से पूरे होंगे और धीरे-धीरे रुके हुए काम पूरे होने लगेंगे। जीवनसाथी का से भी आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में दिन शांति और संतोष से भरपूर रहने वाला है। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने किए गए प्रयासों सफलता प्राप्त होगी। शासन और सत्ता से अच्छी मित्रता होने का भी आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। नौकरी करने वालों को नए अनुबंधों के द्वारा ऊंचा पद प्राप्त हो सकता है

मिथुन राशि : आपको कार्यक्षेत्र में मूल्यवान वस्तु और जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखना होगा। अन्यथा कोई चीज खोने या चोरी होने की संभावना है। व्यापार के मामले में आपके रुके हुए कुछ कार्य पूरे हो सकते हैं। साथ ही, किसी यात्रा में शामिल होने का मौका भी मिल सकता है।

कर्क राशि : दिन उत्तम रहने वाला है और आपको कोई संपत्ति भी प्राप्त हो सकती है। इसी के चलते समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और व्यापार के क्षेत्र में की गई यात्राएं सफल रहेंगी। इनसे आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। जीवन में सफलता पाने के नए रास्ते खोज सकते हैं

सिंह राशि : नौकरी करने वालों के लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र मधुर वाणी और व्यवहार से आपके सम्मान में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को शिक्षा और प्रतियोगिता में भी विशेष सफलता प्राप्त हो सकती है। वहीं, विरोधियों की रणनीतियां भी फेल हो जाएंगी।

कन्या राशि : दिन अच्छा रहेगा और व्यापार के मामले में आपके द्वारा किए प्रयासों से अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। इसी के चलते आपके सुखों में भी वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे हुए थे

तुला राशि : आर्थिक और व्यापार के मामले में दिन बेहतरीन रहने वाला है। अगर पैसों से जुड़ी लेन-देन में लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब उससे निजात मिल सकती है।

वृश्चिक राशि : आपकी राशि से अष्टम नवम त्रिग्रही योग चल रहा है। इसी के चलते आपको शरीर से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सेहत सही न होने का प्रभाव आपके कामकाज पर भी पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आप थोड़ी सुस्ती महसूस करेंगे।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में आपको लाभ कमाने के मौके मिलेंगे और रुके काम पूरे होने से प्रसन्न रहेंगे। ऐसे में विरोधी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों का दिन अनुकूल रहेगा और शासन सत्ता पक्ष से निकटता होने के चलते लाभ मिलने की संभावना है।

मकर राशि : आपका दिन पारिवारिक और आर्थिक मामलों में बेहद अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपको अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग और सम्मान प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामले में सफलता हासिल करेंगे और धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। घर में किसी प्रिय मेहमान का अगमन हो सकता है।

कुंभ राशि : राशि का स्वामी शनि मार्गी होने के चलते आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में सोच-विचार करके और बुद्धिमानी से किए गए कार्य भी बीच में रुक सकते हैं। साथ ही, कुछ हानि होने की भी संभावना है। ऐसे में अभी के लिए कोई भी जोखिम भरा कार्य या निर्णय लेने से आपको बचना होगा।

मीन राशि : आपको कार्यक्षेत्र में कामकाज से ज्यादा घरेलू कार्यों को पूरा करने की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन कार्यस्थल पर जरूरी दस्तावेजों और मूल्यवान वस्तुओं को संभालना जरूरी होगा। इनके चोरी या गुम होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में भी कोई भी फैसला सोच-समझकर लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उपराष्ट्रपति चुनाव में दक्षिण बनाम दक्षिण, राधाकृष्णन के सामने सुदर्शन

पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा में भाजपा के अपने ही 303 सांसद थेलेकिन 2024 के चुनाव के बाद यह संख्या सिकुड़कर 240 रह गई है। दो बार पूर्ण बहुमत की सत्ता के बाद भाजपा को गठबंधन के सहयोगियों पर आश्रित होकर सरकार चलानी पड़ रही है। इसलिए रेड्डी के जरिये वह भाजपा के दक्षिणी दांव की काट के साथ ही उसके राजनीतिक समर्थन में भी सेंधमारी की उम्मीद लगाए है।

पिछले महीने जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे से रिक्त हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को मतदान होना है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने अपने-अपने उम्मीदवार भी तय कर लिए हैं। जहां भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को प्रत्याशी बनाया है, वहीं विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी पर दांव लगाया है। वे आंध्र के हैं, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु के। स्पष्ट है कि दक्षिण बनाम दक्षिण का यह मुकाबला कई पैमानों पर रोचक होने जा रहा है। संवैधानिक व्यवस्था और आदर्श लोकतांत्रिक ढांचे में उपराष्ट्रपति से राजनीतिक रूप से निरपेक्ष एवं तटस्थ रहने की अपेक्षा होती है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति जैसे पदों की शपथ भी इस मायने में कुछ अलग होती है। उसमें संविधान के प्रति निष्ठा जैसे अन्य-पहलुओं के साथ ह्यसंविधान की रक्षाह्ण के बिंदु पर भी जोर होता है। उपराष्ट्रपति केवल एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद ही नहीं, बल्कि उसके पास राज्यसभा के संचालन का दायित्व भी होता है। ऐसे में, राजनीतिक कारणों और विधायी एजेंडे की दृष्टि से सत्ता पक्ष के लिए इस पद की अहमियत और बढ़ जाती है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए इस चुनाव का महत्व भी काफी बढ़ गया है। जब जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया था तब तात्कालिक रूप से यही कारण बताया गया कि स्वास्थ्य के आधार पर वे अपना पद छोड़ रहे हैं, लेकिन उसके बाद का घटनाक्रम दशार्ता है कि उनकी एकाएक विदाई के पीछे कुछ और कारण रहे। सार्वजनिक जीवन में धनखड़ की सक्रियता के एकदम सीमित हो जाने से भी इन संदेहों को बल मिला कि बात उतनी सीधी भी नहीं, जितनी बताई गई। कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने धनखड़ द्वारा सार्वजनिक जीवन से एकाएक दूरी बनाए जाने को लेकर सवाल भी उठाए। अब इससे इन्कार करना मुश्किल है कि सत्तापक्ष के साथ असहज हुए राजनीतिक समीकरण ही धनखड़ के इस्तीफे का कारण बने। राजग के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के स्वागत समारोह में प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी कि ह्यवे राजनीतिक खेल नहीं करेंगे, उन्हीं अटकलों को बल देती है कि धनखड़ और सरकार के बीच अविश्वास की खाई इतनी चौड़ी हो गई थी कि फिर कभी भर नहीं पाई। दोनों खेमों के प्रत्याशियों पर नजर डालें तो प्रत्येक पक्ष ने बहुत संभलकर कदम बढ़ाए हैं। धनखड़ का भाजपा की मूल विचारधारा के साथ बहुत गहरा संबंध नहीं था और वह दूसरे दलों से होते हुई भाजपा में आए और पार्टी ने अपनी परंपरा से इतर उन्हें एक शीर्ष संवैधानिक पद पर बिठाया। उनके साथ हुए अनुभव से सबक लेते हुए भाजपा ने इस बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव रखने वाले अपने खांटी कार्यकर्ता सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। उनके पास लंबा राजनीतिक अनुभव भी है। भाजपा के लिए अपेक्षाकृत अनुर्वर राजनीतिक भूमि तमिलनाडु से वे पार्टी के सांसद भी रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनकी सक्रियता खासी चर्चित रही। उन्होंने केरल जैसे राज्य में चुनाव प्रभार का जिम्मा भी संभाला। पहले झारखंड और फिर महाराष्ट्र में राज्यपाल भी रहे। उनके माध्यम से भाजपा कई निशाने साधने के प्रयास में है। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पार्टी एक राजनीतिक संदेश देने का भी काम करेगी। राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक केंद्र सरकार को लेकर खासी आक्रामक रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, नीट परीक्षा, हिंदी भाषा एवं वित्तीय संसाधनों और संभावित लोकसभा परिसीमन के मुद्दे पर राज्य सरकार ने केंद्र और भाजपा को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ा। परिसीमन के मुद्दे पर तो दक्षिण के अन्य राज्यों को भी लामबंद करने का प्रयास किया। ऐसे में राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनाकर भाजपा ऐसे हमलों की धार कुंद करने की कोशिश करेगी। विपक्षी खेमे ने भी भाजपा की इस रणनीति को भांपते हुए दक्षिण भारत से ही अपना उम्मीदवार बनाया। इसके जरिये उसने दोहरी व्यूह रचना की है। एक तो मुकाबले को दक्षिण बनाम दक्षिण करना और तमिल बनाम तेलुगु अस्मिता के जरिये राजग की सबसे बड़ी सहयोगी तेलुगु देसम पार्टी के समर्थन में सेंध लगाने की कोशिश। राज्यसभा में अक्सर राजग का समर्थन करने वाली जगनमोहन रेड्डी की पार्टी के लिए भी इससे दुविधा खड़ी हो सकती है। वैसे तो चंद्रबाबू नायडू और रेड्डी से विपक्षी खेमे को समर्थन का कोई आश्वासन नहीं मिला है, लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयानों से साफ है कि विपक्ष तेलुगु अस्मिता का मुद्दा खड़ा करने का प्रयास करेगा। हालांकि अगर तेलुगु अस्मिता के नाम पर नायडू और रेड्डी के समक्ष धर्मसंकट खड़ा करने का प्रयास होगा तो द्रमुक के मुखिया और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भी एक तमिल उम्मीदवार का पुरजोर विरोध करने की दुविधा घेरेगी। इस चुनाव के माध्यम से विपक्ष सरकार की उस कमजोर नस को दबाने में लगा है, जो पिछले आम चुनाव के बाद उभरी। यह कमजोरी है संसद में भाजपा का घटा आधार। पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा में भाजपा के अपने ही 303 सांसद थे, लेकिन 2024 के चुनाव के बाद यह संख्या सिकुड़कर 240 रह गई है। दो बार पूर्ण बहुमत की सत्ता के बाद भाजपा को गठबंधन के सहयोगियों पर आश्रित होकर सरकार चलानी पड़ रही है। इसलिए रेड्डी के जरिये वह भाजपा के दक्षिणी दांव की काट के साथ ही उसके राजनीतिक समर्थन में भी सेंधमारी की उम्मीद लगाए है। इसके बावजूद राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने की राह में कोई खास कांटे नहीं दिख रहे हैं। सरकार उनके चुनाव को लेकर आश्वस्त है और आंकड़े भी पूरी तरह उसके पक्ष में हैं। हालांकि चुनाव के बाद नए उपराष्ट्रपति को काफी चुनौतियों के साथ जूझना होगा। इसमें सबसे बड़ी चुनौती उच्च सदन में विपक्ष को साथ लेकर चलने की होगी, जो चुनाव आयोग से लेकर तमाम मुद्दों पर सरकार के खिलाफ आक्रामक है।

मीमांसा : खोखला पाश्चात्य दर्शन बनाम सनातनीं संस्कृति-संस्कार

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैंह्ण विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को इतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

प्रकृति से खिलवाड़ के खतरनाक नतीजे

विजय गर्ग

भारतीय दर्शन के अनुसार, मानव सभ्यता का विकास हिमालय और उसकी नदी घाटियों से माना जाता है। आज विकास के तरीकों और जल्दबाजी से समूचे हिमालय के दरकने का सिलसिला जारी है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली गांव समेत तीन स्थानों पर आई प्राकृतिक आपदा एक चेतावनी है कि प्रकृति से खिलवाड़ के नतीजे भयानक हो सकते हैं। धराली और हर्षिल में बाढ़ के रूप में प्रकृति ने जो दृश्य दिखाए हैं, वे वास्तव में भयावह हैं। एक बार फिर चारधाम यात्रा से जुड़े इस मार्ग पर केदारनाथ आपदा की कहानी प्रकृतिहै। दरअसल, वर्तमान में समूचा हिमालयी क्षेत्र आधुनिक विकास और जलवायु परिवर्तन के खतरों से दो-चार हो रहा है। मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले उपग्रह चाहे जितने आधुनिक तकनीक से जुड़े हों, वे अनियमित हो चुके मौसम के कारण बादलों के फटने, हिमनदों के टूटने और भारी बारिश होने की क्षेत्रवार सटीक जानकारी नहीं के टूटने दे पाते हैं। वर्ष 2013 में केदारनाथ त्रासदी और 2014 में जम्मू-कश्मीर की नदियों में बाढ़ आने के संकेत भी उपग्रह से नहीं मिल पाए थे। इसी तरह वर्ष 2021 में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के निकट हिमनद के टूटने से तबाही मची थी। इससे धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आई और तपोवन पनबिजली परियोजना में काम कर रहे अनेक मजदूर काल के गाल में समा गए थे। हिमाचल प्रदेश में भी भू-स्खलन, बादल फटने और भारी बारिश से तबाही देखने में आ रही है।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार मानसून में लंबी बाधा के कारण देश के कुछ हिस्सों में कम बारिश से सूखे जैसे हालात निर्मित हो हैं, , जबकि हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश तबाही मचा रही है। मानसून में रुकावट आ जाने से बादल पहाड़ों पर इकट्ठे हो जाते हैं और यही मूसलाधार बारिश के कारण बनते हैं। मगर तबाही के लिए मानसून को जिम्मेदार ठहरा कर जवाबदेही से नहीं बचा सकता। केदारनाथ में बिना मानसून की रुकावट के ही तबाही आ गई थी। इसलिए यह कहना बेमानी है कि मानसून की रुकावट तबाही में बदली। असल में समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने तथा जल विद्युत और रेल परियोजनाओं के कार्यों में प्रकृति से छेड़छाड़ हो रही है। इन परियोजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में मिलाने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए भी जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास में असंतुलन का ही परिणाम है कि आज पहाड़ दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों वर्ष से मनुष्य अपनी ज्ञान परंपरा के बूते जीवन यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने वाले अन्य जीव जगत की भी रक्षा करता रहा था हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुष्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। इसमें राष्ट्रीय अवधारणा एवं वसुधैव कुटुंबकम की भावना को पोषित एवं फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश की है, लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। आपदा प्रभावित धराली और हर्षिल क्षेत्र में बहने वाली भागीरथी नदी पर बनी 1300 मीटर लंबी और 80 मीटर चौड़ी झील से पानी का रिसाव हो रहा है, इसे पोकलैंड मशीनों से तोड़ने की तैयारी है, ताकि रिसाव के लिए थोड़ा प्रवाह बढ़ जाए और झील का जलस्तर घट जाए। अगर इस झील के बीच कोई बड़ा बोल्डर होगा, तो इसे नियंत्रित विस्फोटक से तोड़ा जाएगा। पहाड़ों में अतिवृष्टि के चलते यह झील अस्तित्व में आ गई है। हिमालय में झील, तालाब और हिमनदों का बनना एक आश्चर्यजनक, लेकिन स्वाभाविक प्रक्रिया है।

पितृपक्ष के दृष्टिगत वाराणसी से गया (बिहार) के लिए विशेष बस सेवा संचालित

श्रद्धालुओं को मिलेगी आरामदायक और सुखद यात्रा - दयाशंकर सिंह

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने पितृपक्ष के दौरान पिण्डदान एवं तर्पण के लिए गया, बिहार जाने वाले श्रद्धालुओं के सुविधा के दृष्टिगत विशेष परिवहन सेवा शुरू की गई है। अंतरराज्यीय बस संचालन के तहत सारनाथ, वाराणसी से बोधगया बिहार के लिए बस सेवा संचालित होगी। इसी प्रकार लखनऊ से मुजफ्फपुर के लिए एवं मेरठ से सोनीपत (हरियाणा) के लिए भी बसों का संचालन शुरू किया गया है। यह बसें सप्ताह में सातों दिन चलेगी। इन बसों में यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया है। आरामदायक सीटें और दूसरी सुविधाएं भी मिलेगी। यह जानकारी देते हुए परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयायशंकर सिंह ने बताया कि उक्त बस सेवा पितृपक्ष में जाने वाले श्रद्धालुओं के दृष्टिगत शुरू की गई है। इससे गया जाकर पिण्डदान करने वाले श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि वाराणसी (कैंट) से संचालित बस चन्दौली-सासाराम-औरंगाबाद-शेरघाटी-गया (बिहार) तक के लिए संचालित होगी। इस रूट के यात्रियों को इसका सीधा लाभ होगा। वाराणसी स्टेशन से रात्रि 08 बजे चलकर उक्त बस गया, बिहार 04 बजे पहुंचेगी। उक्त बस का किराया वाराणसी से बिहार तक 465 रुपए निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार लखनऊ (आलमबाग बस टर्मिनल) से मुजफ्फरपुर का किराया 862 रुपए निर्धारित किया गया है।

स्थानीय निकाय निदेशक द्वारा लॉइव मॉनीटिरिंग करते हुए कूडा कलेक्शन का लिया संज्ञान।

स्थानीय लोगों से वार्ता कर किया और अधिक जागरूक करने के निर्देश।

भारत संवाद

प्रयागराज। कुम्भ मेला 2025 के उपरान्त प्रयागराज स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच में आए बदलाव को लेकर शहरवासियों को जागरूक करने हेतु नगर निगम प्रयागराज द्वारा स्वच्छता एवं सफाई के दृष्टिगत सेग्रीगेट कचरा संग्रह हेतु नगर निगम की पूरी टीम श्रमदान करते हुए गीला और सुखा कूड़ा एकत्रित किया जा रहा है जिसे नियमानुसार नगर निगम के प्रोसेसिंग यूनिट भेजा जा रहा है। पृथककरण कचरा संग्रह हेतु निदेशालय से भी नियमित रूप से प्रतिदिन जूम मीटिंग के माध्यम से प्रातः 05 बजे से 09 बजे तक ऑनलाइन मॉनीटिंग की जाती है। इसी क्रम में आज दिनांक 20 अगस्त 2025 को नगर आयुक्त द्वारा लाइव मीटिंग के दौरान डोर-टू-डारे कूडा कलेक्शन तथा पोर्ट स्टेशनों को चेक करने हेतु शिवनगर कालोनी अल्लापुर का औचक निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त द्वारा सेग्रीगेट कचरा संग्रह हेतु कई निवासियों से वार्ता की गयी, इस दौरान स्थानीय निकाय निदेशक द्वारा लाइव मॉनीटिरिंग की गयी तथा डोर-टू-डोर कूडा कलेक्शन दिखाया गया। नगर आयुक्त द्वारा सृष्टि वेस्ट मैनेजमेन्ट सर्विसेज के प्रतिनिधियों को निर्देर्शित किया गया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सेग्रीगेट कचरे संग्रह के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए कचरे का संग्रहण, पृथककरण, निस्तारण और ब्लैक स्पॉट को खत्म करने की रणनीति पर नियमित रूप से कार्य किया जाए साथ ही इस कार्य में जागरूकता हेतु स्कूली शिक्षिकाओं तथा बच्चों को शामिल करें। प्रतिदिन नियमित रूप से प्रातः 06 बजे सभी गाड़िया समय से निकले जिससे प्रातः 06:30 तक अपने निर्धारित स्थान पर पहुँचकर पृथककरण कचरा संग्रह का कार्य आरम्भ किया जा सके, इसके बाद भी आपकों सेग्रीगेट कचरा न प्राप्त हो तो जुमार्ने का प्रावधान करें। रामानन्द नगर में कई जगहों पर नालियां, पन्नियों से चोक तथा शिल्ट भरी हुई पायी गयी जिसके लिए जोनल अधिकारी अल्लापुर को साफ-सफाई कराते हुए ब्लीचिंग तथा एण्टीलार्वा का छिड़काव कराये जाने के निर्देश दिये गये, इस क्षेत्र में लॉयन्स वेस्ट मैनेजमेन्ट के हेल्परों को सीटी उपलबध कराये जाने के भी निर्देश दिये गये जिससे लोगों को पता लग सके कि डोर-टू-डोर की टीम सेग्रीगेट कूडा कलेक्शन हेतु मौजूद है। इसके साथ ही नगर आयुक्त द्वारा राम बरात भावापुर पार्क का निरीक्षण किया गया। पार्क में पानी की टंकी लीक पायी गयी साथ त्योहार पर इस पार्क से रामबरात का निकलना सुनिश्चित है तो समस्त व्यवस्थाओं को चुस्त दुरूस्त किये जाने के निर्देश अपर नगर आयुक्त को दिये गये साथ ही स्थानीय नगरिकों से वार्ता कर पार्क तथा ओपन एअर जिम को आपसी सहयोग से साफ सुथरा रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया।

फास्ट ट्रैक

कोषागार सिविल लाइन्स से पेंशन आहरण करने वाले पेंशनरों के लिए आवश्यक सूचना

भारत संवाद

प्रयागराज , विगत एक वर्ष एवं उसके पूर्व से कोषागार सिविल लाइन्स प्रयागराज से पेंशन आहरण करने वाले ऐसे पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों के द्वारा अपना जीवित प्रमाण-पत्र कोषागार में प्रस्तुत नहीं किया गया है, और न ही उनके परिजनों के द्वारा कोषागार को कोई भी सूचना नहीं दी गई है। जिसके कारण काफी संख्या में पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों का भुगतान नहीं हो रहा है। कोषागार सिविल लाइन्स प्रयागराज से पेंशन आहरण करने वाले ऐसे समस्त पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों, जिनकी पेंशन का भुगतान विगत 1 वर्ष से अधिक समय से नहीं हो रहा है, ऐसे सभी पेंशनर्स/पारिवारिक पेंशनर्स अनिवार्य रूप से जीवन-प्रमाण वेबसाइट/एप के माध्यम से या बैंक के माध्यम से या किसी भी कार्यालय दिवस में कोषागार में अपने आई-डी प्रमाण-प्रपत्रों के साथ स्वयं उपस्थित होकर अपना जीवित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दें। उक्त के अतिरिक्त यह भी अवगत कराना है कि जिन पेंशन प्रकरणों के मामलों में पेंशनर्स/पारिवारिक पेंशनर्स की मृत्यु हो गई है। ऐसे पेंशन प्रकरणों में पेंशनर्स के परिजनों से अनुरोध है कि वे संबंधित पेंशनर्स/पारिवारिक पेंशनर्स का मृत्यु प्रमाण-पत्र/पहचान पत्र आई डी तथा एक प्रार्थना-पत्र के साथ किसी भी कार्य दिवस में कोषागार में उपस्थित होकर अविलम्ब सूचित करने का कष्ट करें। यह भी उल्लेख करना है कि यह पेंशनर्स/पारिवारिक पेंशनर्स का नैतिक दायित्व भी है कि पेंशनर्स/पारिवारिक पेंशनर्स की मृत्यु के संबंध में तत्काल कोषागार को सूचित करें और यदि अधिक भुगतान की स्थिति बनती है तो अधिक गई पेंशन को राजकोष में जमा कराये।

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत हर पात्र परिवार को मिलेगा पक्का घर : केशव प्रसाद मौर्य

पारदर्शिता, शिकायत निस्तारण और अपीलिएट कमेटी की सक्रियता से होगा योजना का निष्पक्ष क्रियान्वयन

- पात्र लाभार्थियों को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के तहत आवास : केशव प्रसाद मौर्य
- सभी पात्र परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने हेतु सरकार प्रतिबद्ध : केशव प्रसाद मौर्य
- आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 से बनेगी नई स्थायी पात्रता सूची
- पारदर्शिता और शिकायत निस्तारण की ठोस व्यवस्था

भारत संवाद

लखनऊः प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके अन्तर्गत बेघर, कच्चे एवं जीर्ण-शीर्ण मकानों में रहने वाले परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जाता है। मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इस योजना का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलेगा। किसी भी पात्र परिवार को वंचित नहीं किया जाएगा और अपात्रों को सूची में स्थान नहीं मिलेगा।गौरतलब है आवास प्लस सर्वेक्षण-2018 के आधार पर तैयार सूची में सम्मिलित सभी 36.57लाख परिवारों को आवास मिल चुका है। वर्तमान में पात्र लाभार्थियों के चयन हेतु आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 पूरा हो चुका है। सरकारी अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा सर्वेक्षण में चिन्हित लाभार्थियों का सत्यापन किया जा रहा है। इसके बाद ग्राम सभा में अनुमोदन के पश्चात स्थायी पात्रता सूची तैयार होगी, जिससे आगे आवास आवंटन किया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु जनजागरूकता गतिविधियाँ, ग्राम सभाओं और प्रचार माध्यमो के लोगो को जानकारी दी गई है। साथ ही टोल-फ्री नम्बर 1800-180-4042 पर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।शिकायतों के निस्तारण हेतु सभी 75 जनपदों में 3 सदस्यीय अपीलीय समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी अथवा नामित अधिकारी करेंगे। इसमें एक गैर-सरकारी सदस्य भी शामिल रहेगा। पात्रता सूची में बदलाव अथवा नाम वरीयता पर विवाद होने पर इस समिति में शिकायत दर्ज करायी जा सकती है।उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अपीलिएट कमेटी शिकायतों का त्वरित निस्तारण करे और यह सुनिश्चित करे कि पात्र लाभार्थी वंचित न रहें तथा अपात्र सूची में न आयें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों तक पहुँचे।आयुक्त ग्राम्य विकास श्री जी0एस0 प्रियदर्शी द्वारा सभी जनपदों को अपीलिएट कमेटी गठन के निर्देश दिए गए थे, जिनका अनुपालन करते हुए समितियाँ गठित कर दी गई हैं।

निर्देश दिये गये है कि योजना का क्रियान्वयन निर्धारित गाइड लाइन व दिशा निदेशों के अनुरूप किया जाय।

आईजीआरएस में राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों में सम्बंधित अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करते हुए प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें

सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर साफ-सफाई सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

- शेष बचे हुए गौशालाओं में तत्काल सीसीटीवी कैमरा लगवाने के दिए निर्देश
- अभियान चलाकर निराश्रित गौवंशों को गौआश्रय स्थलों में करें संरक्षित
- सड़क के रेस्टोरेशन का कार्य संतोषजनक ढंग से पूर्ण होने पर ही योजना का लें हैण्डओवर

भारत संवाद

मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत गुरूवार को गांधी सभागार में आईजीआरएस एवं योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रगति की मण्डलीय समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा है कि लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। आईजीआरएस की समीक्षा में राजस्व से सम्बंधित आईजीआरएस प्रकरणों में प्रयागराज के फूलपुर तहसील एवं फतेहपुर में बिंदकी व खागा में स्थलीय निरीक्षण की प्रगति खराब पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारियों से सम्बंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस में राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों में सम्बंधित अधिकारी मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। आईजीआरएस से सम्बंधित प्रकरणों में उप निदेशक पंचायत, पर्यटन अधिकारी एवं विद्युत विभाग से सम्बंधित प्रकरणों के निस्तारण में फीडबैक की स्थिति खराब पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतकर्ता से वार्ता करने के बाद ही प्रकरण को निस्तारित करने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारियों को नियमित अंतराल पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। मण्डल के समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी को ब्लाकवार आशावार गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण के सापेक्ष सरकारी व निजी चिकित्सालयों में कराये जा रहे प्रसवों की समीक्षा करने के लिए निर्देशित किया तथा यह भी कहा कि कारणों का पता लगायें कि सरकारी चिकित्सा इकाइयों से अधिक प्रसव निजी चिकित्सालयों में क्यों सम्पादित कराये जा रहे हैं। उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य इकाईयों पर प्रसव कक्ष व महिला वार्ड व उससे अटैच बाथरूम को साफ रखा जाना व गुणवत्ता पूर्ण निःशुल्क भोजन दिया जाना सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए, जिससे कि ज्यादा से ज्यादा गर्भवती महिलाएं सरकारी प्रसव इकाई पर प्रसव सम्पादित कराये। उन्होंने नवजात शिशुओं को हेपेटाइटिस बी जीरो डोज की खुराक अनिवार्य रूप से दिए जाने के लिए कहा।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत ठगी करने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार

भारत संवाद

दिनांक 20.08.2025 को ह्यऑपरेशन यात्री सुरक्षाह्ल के तहत रेलवे सुरक्षा बल/कानपुर सेंट्रल एवं राजकीय रेलवे पुलिस/कानपुर सेंट्रल द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया । इस दौरान रेल यात्रियों को नकद धनराशि का लालच देकर ठगी करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया गया । पकड़े गए आरोपी के पास से 63,800/- नगद बरामद हुए। यह कार्रवाई दिनांक 09.08.2025 को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर घटित उस घटना के आधार पर की गई, जिसमें एक सेना के जवान से छलपूर्वक 55,000/- नगद एवं एक मोबाइल फोन की ठगी की गई थी । सीसीटीवी फुटेज और हुलिया की पहचान के बाद आरोपी को टाटमील की ओर जाने वाले रास्ते से दबोचा गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह यात्रियों को भारी नकदी दिखाकर विश्वास में लेता था और उन्हें एटीएम मशीन तक ले जाकर पिन कोड प्राप्त कर लेता था । इसके बाद वह उनके खातों से ऑनलाइन ठगी करता था । गिरफ्तार आरोपी की पहचान साहिल पुत्र अबुलेश, उम्र 18 वर्ष, निवासी जे.जे. कॉलोनी, बवाना, दिल्ली के रूप में हुई है, जिसके विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

रोजगार महाकुम्भ 2025 का आयोजन 26 से 28 अगस्त तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में

रोजगार महाकुम्भ में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल (rojgaarsangam.up.gov.in) पर करें अपना पंजीकरण

भारत संवाद

शासन ने बेरोजगारों के लिए रोजगार महाकुम्भ 2025 का आयोजन किया है। सेवायोजन विभाग 26 से 28 अगस्त, 2025 तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार महाकुम्भ का आयोजन करने जा रहा है। रोजगार महाकुम्भ के माध्यम से सरकार 50 हजार युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप नौकरी उपलब्ध कराएगी। सेवायोजन विभाग द्वारा (rojgaarsangam.up.gov.in) पोर्टल विकसित किया गया है। जिसमें नियोजकों एवं नौकरी हेतु प्रयासरत युवाओं के लिए पंजीकरण सुविधा उपलब्ध है। सेवायोजन विभाग द्वारा जापान, जर्मनी एवं इजराइल जैसे देशों में हेल्थ, होम-केयरगिवर के प्लेसमेंट की रिक्तियां दी जा रही हैं। तीन दिन के रोजगार महाकुम्भ में विनिर्माण, आई0टी0-सेवा क्षेत्र, उभरते उद्योगों को प्रशिक्षित युवा उपलब्ध होंगे। रोजगार महाकुम्भ में ए0आई0 प्रशिक्षण माड्यूल विशेष आकर्षण होगा। इसमें उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों के सहयोग से डिजिटल कौशल और ए0आई0-संचालित नौकरी की तैयारी पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। प्रदर्शनी में सरकारी पहलुओं और भविष्य के कौशल रूझानों को प्रदर्शित किया जायेगा। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा युवा स्टॉल के माध्यम से स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। रोजगार महाकुम्भ में सम्मिलित होने के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर अभ्यर्थी अपना पंजीकरण करते हुए प्रतिभागी कम्पनी में समस्त शैक्षिक योग्यता एवं बॉयोडाटा सहित लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार महाकुम्भ में प्रतिभाग कर सकते हैं। उपरोक्त मेला में शामिल होने हेतु अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है।

उद्यान विभाग द्वारा किया गया पर ब्लॉक वन क्राप कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर बनाने में उद्यानिकी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत जनपद प्रयागराज में उद्यान विभाग द्वारा पर ब्लाक वन क्राप का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विकास खण्ड-जसरा, शंकरगढ़ के कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एकीकृत बागवानी विकास मिशन, पर ड्राप मोर क्रॉप-माइक्रोइरिगेशन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना में लाभार्थी का आनलाइन पंजीकरण विभागीय डी0बी0टी0 पोर्टलhttp://dbt.uphorticulture.in पर जाकर पंजीकरण किया जायेगा। इसके साथ ही लाभार्थी का चयन प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा। आनलाइन पंजीकरण कराते हुये स्वयं से सम्बन्धित अभिलेख यथा- 01-फोटो, आधारकार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, भू-अभिलेख की छायाप्रति, जाति प्रमाण पत्र, पंजीकरण पावती आदि संलग्न कर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी विकास भवन, प्रयागराज के कक्ष सं0-85 में उपस्थित होकर जमा कर सकते है। पर ड्राप मोर क्रॉप-माइक्रोइरिगेशन योजनान्तर्गत इच्छुक कृषक के पास स्वंय के नाम वांछित क्षेत्रफल में उपयुक्त भूमि उपलब्ध हो। कृषक को upmip.in पर ऑनलाइन पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।

कानपुर सेन्ट्रल पर मजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग अभियान - 84,535 का जुर्माना वसूला

भारत संवाद

रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं नियमबद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रयागराज मंडल द्वारा अगस्त माह में ट्रेनों एवं स्टेशनों पर विशेष सघन टिकट चेकिंग अभियान संचालित किया गया। यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य बिना टिकट एवं अनियमित टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण रखते हुए यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा के प्रति जागरूक करना था। दिनांक : 21अगस्त 2025 को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री विनय जैसवाल के नेतृत्व में मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान चलाया गयाकी इस अभियान के दौरान टिकट चेकिंग टीम और रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों की टीम द्वारा कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों की सघन चेकिंग की गई इस दौरान कुल 121 यात्रियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 75,035/- का जुमार्ना वसूला गया। इनमें से 66 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए, जिनसे 49,925/- का जुमार्ना और अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे 51 यात्रियों से 24710/- का जुमार्ना , धूम्रपान करते हुए 4 यात्रियों से 400 का जुमार्ना , 5 अवैध वेंडर से 7,500 जुमार्ना एवं 2 यात्रियों का ट्रायल रेलवे मजिस्ट्रेट द्वारा किया गया और 2000 का जुमार्ना वसूला गयो भारतीय रेल अधिनियम, 1989 के अंतर्गत बिना टिकट अथवा अनियमित टिकट पर यात्रा करना दंडनीय अपराध है, जिसमें जुमार्ना, कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है। प्रयागराज मंडल, अपने सभी सम्मानित यात्रियों से आग्रह करता है कि वे सदैव उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा रेलवे को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

विश्व उद्यमी दिवस योग से स्टार्टअप तक, भारत का वैश्विक उद्यमिता योगदान

भारत की उद्यमिता, सेवा और सनातन प्रेरणा

भारत संवाद

- भारत, केवल बाजार नहीं, परिवार और प्रेरणा का स्रोत
- सनातन परंपरा से डिजिटल युग तक उद्यमिता में भारत का नेतृत्व
- विश्व उद्यमिता का नया मंत्र, भारत का लोकल से ग्लोबल सफर : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। आज जब पूरी दुनिया विश्व उद्यमी दिवस मना रही है, ऐसे में भारत की भूमिका और उसका योगदान विशेष है। भारत, केवल एक देश नहीं, बल्कि एक विचार है। भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि परिवार है और एक प्रेरणा का स्रोत है। यहाँ उद्यमिता का अर्थ केवल व्यापारिक गतिविधि या धन अर्जन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानवता की सेवा, समाज के उत्थान और विश्वकल्याण की दिशा में एक सतत प्रयास रहा है। भारत की मिट्टी में उद्यमिता का बीज सनातन काल से ही अंकुरित है। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय केवल शिक्षा के केन्द्र नहीं थे, बल्कि ज्ञान के वैश्विक उद्यम थे, जहाँ से पूरी दुनिया को विद्या, चिकित्सा और गणित का प्रकाश मिला। प्राचीन भारत का वाणिज्य, मसालों और वस्त्रों से लेकर धातु और शिल्प तक, दुनिया भर में प्रसिद्ध था। यही कारण है कि भारत को सोने की चिड़िया कहा गया लेकिन भारत की सबसे बड़ी उद्यमिता आध्यात्मिकता में रही। योग, आयुर्वेद, ध्यान और वेदांत, ये ऐसे अनमोल उपहार हैं जो भारत ने दुनिया को दिए और जिन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन को स्वस्थ, संतुलित और समृद्ध बनाया। भारत का योगदान अद्वितीय है। शून्य का आविष्कार और गणित का विकास आधुनिक विज्ञान और तकनीक के लिए आधारशिला बना। योग ने शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का मार्ग दिखाया। आयुर्वेद ने जीवन को स्वस्थ और संतुलित बनाने की चिकित्सा दी और ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल की भावना ने यह संदेश दिया कि पूरी दुनिया एक परिवार है। यही भारत की उद्यमिता की असली पहचान है, जहाँ लाभ केवल भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सामाजिक भी है। आज का भारत 21वीं सदी में एक नए स्वरूप में उद्यमिता का नेतृत्व कर रहा है। यह भारत डिजिटल क्रांति का अग्रदूत है। यह भारत ग्रीन एनर्जी और सतत विकास की राह दिखा रहा है। यह भारत स्टार्टअप्स का नया वैश्विक केंद्र बन चुका है। ह्लवोकल से ग्लोबलह्ल का मंत्र आज भारत की अर्थव्यवस्था और उद्यमिता की आत्मा बन गया है।

युवा शक्ति और नारी शक्ति मिलकर नए भारत का भविष्य गढ़ रहे हैं। भारत का उद्यम केवल मुनाफे तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में नैतिकता, सेवा और समर्पण का उदाहरण है। वर्तमान समय में हमें एक ऐसे उद्यम की आवश्यकता है जो पर्यावरण को संरक्षित रखें गाँव से लेकर शहर तक सभी को जोड़कर चले, और जिसमें हर युवा, हर महिला को अवसर और सम्मान मिलो। ऐसा उद्यम जो धर्म और धन, दोनों को संतुलित करके एक नई मानवतावादी अर्थव्यवस्था का निर्माण करे। विश्व उद्यमी दिवस केवल उद्यमिता का उत्सव नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का स्मरण है। यह स्मरण कि उद्यम वह है जो सबके जीवन में प्रकाश और समृद्धि लाए। भारत का संदेश दुनिया से यही है कि सफलता साझा करो, समृद्धि में सबको भागीदार बनाओ और नवाचार में संस्कृति व नैतिकता का समावेश करो। भारत का अतीत हमें गौरव से भरता है, वर्तमान हमें आत्मविश्वास देता है और भविष्य हमें प्रेरित करता है कि हम अपने उद्यम को मानवता के कल्याण का माध्यम बनाएँ। आज विश्व उद्यमी दिवस पर भारत से उठती यह आवाज सम्पूर्ण विश्व को प्रेरित करे कि उद्यम वही है जो सबको साथ लेकर चले और सबके जीवन को उजाला दे।

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में भारत अंतरिक्ष सप्ताह कार्यक्रम आयोजित

भारत संवाद

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के संस्थापक एवं महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई की जयंती के अवसर पर सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज, झूंसी में भारत अंतरिक्ष सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें भाषण, निबंध लेखन, स्पेस फैशन शो तथा पेंटिंग प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने उत्साह एवं सृजनात्मकता के साथ अंतरिक्ष, विज्ञान और डॉ. साराभाई के योगदान से संबंधित चित्र प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, सृजनात्मकता और अनुसंधान भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद मणि त्रिपाठी और विज्ञान के शिक्षक जयद्रथ श्रीमुख कला शिक्षक राहुल वर्मा ने सभी विद्यार्थियों की पेंटिंग का अवलोकन किया। प्रतियोगिता के परिणाम में कक्षा 9 की छात्रा श्रुति यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि साक्षी गुप्ता द्वितीय और आइरिस तृतीय स्थान पर रही। विज्ञान के शिक्षक आयुष श्रीवास्तव ने आयोजन की सराहना की और सभी विद्यार्थियों की सहभागिता की पुष्टि की। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों की सूची करफड की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनकी सफलता की कामना की। उन्होनें कहा कि इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अंतरिक्ष अनुसंधान के महत्व को समझने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर सह प्रबंधक डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी उपप्रधानाचार्य राम सिंह यादव , कमलेश प्रसाद यादव ,मीना धुरिया अनामिका तिवारी ,शशांक त्रिपाठी ,विभव प्रजापति ,राहुल पांडेय ,सुमन पांडेय आदि उपस्थित रहे।

बाबू जी कल्याण सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि पर गौरव दिवस का हुआ आयोजन

श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अर्पित की श्रद्धांजलि

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़ ।ताला नगरी अलीगढ़ में आयोजित तृतीय हिंदू गौरव दिवस एवं श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बाबूजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने उद्बोधन की शुरूआत मुख्यमंत्री जी ने वृंदावन बिहारी लाल की जय और जय श्रीराम के उद्घोष से की। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी ने एक सामान्य किसान परिवार में जन्म लेकर स्वयं को राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया ।एक शिक्षक, संघ कार्यकर्ता और भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तक की उनकी यात्रा प्रेरणादायक रही ।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी ने 1977 में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा तय की, 1990 में कानून-व्यवस्था सुधार कर सुशासन की मिसाल पेश की और मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए राम जन्मभूमि आंदोलन में व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेकर श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा, श्रद्धेय बाबूजी ने कभी श्रेय लेने की होड़ में नहीं, बल्कि बलिदान की भावना से कार्य किया ।योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज प्रदेश में सुशासन, सुरक्षा और विकास की जो मजबूत नींव दिख रही है, उसकी आधारशिला बाबूजी ने अपने कार्यकाल में रखी थी। डबल इंजन की सरकार उन्हीं आदर्शों पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर में बने मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल का नामकरण श्रद्धेय बाबूजी के नाम पर किया गया है और उनकी भव्य प्रतिमा भी स्थापित की गई है। मुख्यमंत्री जी ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि पहले की सरकारों में दंगे, अराजकता और तुष्टिकरण का माहौल था। त्योहारों पर रोक लगाई जाती थी। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर संतुष्टीकरण का भाव कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अब दंगा और माफिया मुक्त हुआ है ।मुख्य मंत्री ने कहा कि गुलामी के प्रतीकों को समाप्त कर भारत नए गौरव की अनुभूति कर रहा है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर इसका अनुपम उदाहरण है ।उन्होंने धारा 370 की समाप्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती सहित प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं ।उत्तर प्रदेश आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है, परंतु जनता उनके मंसूबों को समझ चुकी है। अंत में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी का जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने श्रद्धेय बाबूजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए संस्मरण किया कि वह बाबूजी के साथ ही वर्ष 2004 में सांसद के रूप में संसद भवन पहुँचे। बाबूजी ने राष्ट्रवाद, समरसतावाद के सिद्धांतों पर सरकार की स्थापना कर जनकल्याण के लिए कार्य किए। वह केवल पिछड़ों के ही नेता नहीं थे बल्कि पूरे प्रदेश की जनता को लेकर साथ चलने वाले थे। बाबूजी के सिद्धांतों को लेकर ही आज सबका साथ-सबके विकास की बुनियाद पर मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कार्य कर रही है। इवरिष्ठ भाजपा नेता श्री कलराज मिश्र ने बाबूजी के साथ संगठन एवं प्रदेश सरकार में किए गए कार्यों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि बाबूजी हिन्दुतान में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में हिन्दुत्व के पुरोधा के रूप में विख्यात हुए। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद उन्होंने बाबूजी के साथ पार्टी में महामंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली और बाबूजी को अध्यक्ष के रूप में 1986 में उत्तर प्रदेश कमान सौंपी गई।

माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम में मुस्तैद रहा नगर निगम ऐतिहासिक और भव्य बना आयोजन

बेहतरीन और शानदार व्यवस्थाओं के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम

- नगर आयुक्त ने खुद मौजूद रहकर नगर निगम व्यवस्थाओं की संभाली कमान– बेहतर इंतजाम कराने पर नगर आयुक्त ने नगर निगम अधिकारी कर्मचारियों की थपथपाई पीठ
- 35 अधिकारी 1050 सफाई कर्मचारियों की 80 टीम लगातार 24 घटें रही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद

भारत संवाद

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह जी की चतुर्थ पुण्यतिथि एवं तृतीय हिन्दू गौरव दिवस पर ताला नगरी में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम अलीगढ़ ने बेहतरीन व्यवस्थाओं के साथ अपनी मौजूदगी का एहसास सभी को कराया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी समेत अनेक वीवीआईपी जनप्रतिनिधियों का आगमन हुआ, जहाँ नगर निगम द्वारा किए गए इंतजाम ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य रूप प्रदान किया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा स्वयं कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहकर पूरी व्यवस्थाओं की कमान संभाले रहे। पंडाल, हेलीपैड और पार्किंग क्षेत्र में दलदल व गड्ढों की स्थिति के बावजूद नगर निगम ने पिछले सात दिनों से लगातार जेसीबी मशीन, घास कटिंग, हाइवा टिपर, ट्रैक्टर, छोटे रोबोट, पाँच सीवर जेटिंग मशीन और एंटी-स्मोक गन संसाधनों को लगाकर स्थल को सुसज्जित और व्यवस्थित किया। तो वही नगर निगम जलकल विभाग ने भव्य कार्यक्रम में आये हजारों लोगो को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। कार्यक्रम के दिन नगर निगम की 35 अधिकारियों और 1050 सफाईकर्मियों की 80 टीमें सुबह से लेकर कार्यक्रम की समाप्ति तक मुस्तैदी से तैनात रहीं। सभी टीमों ने स्वच्छता, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को बेहतरीन ढंग से सुनिश्चित किया ।नगर आयुक्त ने मुख्यमंत्री महोदय के आगमन को गरिमामयी बनाने में नगर निगम अधिकारियों कर्मचारियों, प्रवर्तन दल, सफाईकर्मियों द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए उनकी पीठ थपथपाई और सभी को बधाई दी।

छठ पर दूरियां होंगी कम,रेलवे की 12000 ट्रेनों के संग

छठ दीपावली पर्व पर 12 हजार से अधिक स्पेशल ट्रेनें होंगी संचालित - रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

बिहार में रेल इंफ्रा को मिलेगा मजबूती, रेलवे ने की कई नई परियोजनाओं की घोषणा

भारत संवाद

छठ पर्व बिहार की आस्था, संस्कृति और परंपरा का सबसे बड़ा उत्सव है। सूर्य देव और छठी मइया की आराधना का यह पर्व लाखों श्रद्धालुओं को जोड़ता है और हर वर्ष भारी संख्या में लोग अपने घर लौटकर परिवार के साथ इसे मनाते हैं। इसी गहरी भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान घोषणा की कि इस पर्व सीजन में यात्रियों की अधिकतम सुविधा हेतु 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी ।इस निर्णय से त्योहारों के दौरान बिहार सहित पूरे देश में लाखों यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से त्योहारों के दौरान यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा ।रेल मंत्री ने कहा कि बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री श्री ललन सिंह, सांसद डॉ. संजय जायसवाल एवं सांसद श्री संजय झा से विस्तृत चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है, ताकि यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही उन्हें बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें ।रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि जो यात्री 13 से 26 अक्टूबर के बीच ऑनवर्ड जर्नी और 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच रिटर्न यात्रा करेंगे, उन्हें रिटर्न जर्नी पर 20% की छूट दी जाएगी। यह विशेष सुविधा इस वर्ष एक प्रयोगात्मक रूप में दी जा रही है और इससे बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

नई ट्रेनें और परियोजनाएं

रेल मंत्री ने बताया कि बिहार से चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत की जाएगी। ये ट्रेनें निम्नलिखित मार्गों पर चलाई जाएंगी:

गया जी दिल्ली
सहरसा अमृतसर
छपरा दिल्ली
मुजफ्फरपुर हैदराबाद

इसके साथ ही, बिहारवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए पूर्णिया से पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत की जाएगी।

फास्ट ट्रैक

थाना पड़री पुलिस द्वारा नाबालिक को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना पड़री, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 04.05.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की पुत्री को बहला-फुसला के शादी का झांसा देकर भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पड़री पर मु0अ0सं0-67/2025 धारा 137(2),87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना पड़री को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना पडरी पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी-पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः 21.08.2025 को प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना पड़री क्षेत्र से नामजद अभियुक्त मिथुन कुमार पुत्र स्व0 छोटे लाल निवासी कठिनई थाना पड़री जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87,64(1) बीएनएस व श पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा जिला बदर 01 नफर अपराधी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान, इनामियां, जिला बदर, वारण्टी व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिया गया है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 21.08.2025 को प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना सन्तनगर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सिरसी बन्धा तिराहा के पास से 01 नफर जिला बदर अभियुक्त योगेश कुमार मिश्र पुत्र स्व0 तारा शंकर मिश्र निवासी कालूपुर गौरेया थाना चुनार जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।उक्त के सम्बन्ध में थाना सन्तनगर पर मु0अ0सं0-65/2025 धारा 10 उ0प्र0गुण्डा नियंत्रण अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अहरौरा पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज 21.08.2025 को उप निरीक्षक अविनाश त्रिपाठी मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी 1.अशोक यादव पुत्र स्व0 बहादुर यादव निवासी बड़की पट्टी थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया ।आज 21.08.2025 को उप निरीक्षक मोहन लाल मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी साजन पुत्र बालम कोल निवासी पहिती थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा उ.प्र.गैंगस्टर एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चिल्ह पर पंजीकृत मु0अ0सं0-163/2025 धारा 3(1) उ.प्र. गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण एक्ट के अभियोग में बड़ी कार्यवाही करते हुए

आधार कार्ड में कूटरचना करने वाला गिरोह गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना बेहट पुलिस द्वारा द्वारा बिना अनुमति व अधिकार पत्र के धोखाधडी कर बनायी हुयी रबड़ पर अंकित फिंगरप्रिंट का प्रयोग कर आधार कार्ड की आधिकारिक वेबसाइट को खोलकर आधार कार्ड में धोखाधडी करते हुए नाम,पता,फोटो,मोबाइल नंबर आदि में परिवर्तन करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार, कब्जे से एक रबर स्टैम्प पर फर्जी फिंगप्रिन्ट, एक वैब कैमरा, दो लैपटाप, एक कीबोर्ड, एक माउस, एक पैनड्राइव, एक प्रिन्टर, एक फिंगरप्रिन्ट स्कैनर, एक आईरिस स्कैनर, एक लैपटाप चार्जर, एक ओटीजी क्नैक्टर, 12 आधार कार्ड, तीन रशीद, तीन सफेद सीट आदि सामान बरामद भी बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार बेहट थाना प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी के कुशल नेतृत्व में आज थाना बेहट पुलिस द्वारा बिना किसी अनुमति व अधिकार पत्र के धोखाधडी कर बनायी हुयी रबड़ पर अंकित फिंगरप्रिंट का प्रयोग कर आधार कार्ड की आधिकारिक वेबसाइट को खोलकर आधार कार्ड में धोखाधडी करते हुए नाम, पता,मोबाइल नम्बर परिवर्तन करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों आसिफ पुत्र हनीफ निवासी मौहल्ला गाडान थाना बेहट जिला सहारनपुर, सागर पुत्र सतीश निवासी ग्राम खुर्रमपुर थाना बेहट सहारनपुर, वराजेश उर्फ राजू पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम रोगला हथौली थाना बेहट जिला सहारनपुर को थाना क्षेत्र बेहट से गिरफ्तार किया गया ।पुलिस पूछताछ में बताया कि वह लोग शामली के एक व्यक्ति के साथ मिलकर एक व्यक्ति की आईडी जिसका नाम हमारा साथी जानता है, की सहायता से फर्जी थम्ब प्रिन्ट को रबर पर लेकर आधार कार्ड की ऑफिशियल वैबसाइट को खोलकर किसी भी व्यक्ति के आधार कार्ड में गलत नाम पता, मोबाइल नम्बर परिवर्तन कर देते हैं ।जिससे हम लोगो को अच्छी कमाई हो जाती है।

नगर में श्री जाहरवीर गोगा जी महाराज का बसेरा(छड़ी पूजन) व भंडारे का आयोजन किया गया

भारत संवाद

बेहट, बुधवार की शाम नगर के मोहल्ला महाजनान में स्थित रामचन्द्र भगत के घर से श्री जाहरवीर गोगा जी महाराज (छड़ी पूजन) बसेरा का गांधी चौक में भाजपा व व्यापारी नेता सुनील राजदेव उर्फ बिट्टू के बैठक पर पहुंचने पर व्यापारियों द्वारा स्वागत किया गया और भंडारे का आयोजन किया गया ।इस मौके पर पूर्व विधायक व भाजपा नेता नरेश सैनी. बेहट गन्ना समिति के चेयरमैन मुल्कीराज सैनी, भाजपा नेता संजीव कर्णवाल उर्फ बॉबी, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल नगर इकाई के अध्यक्ष अवनीश अग्रवाल,महामंत्री सुधीर कर्णवाल, युवा भाजपा नेता मोहित जैन,सभासद सत्यप्रकाश रोहिला, पंकज शर्मा, नवीन खुराना, नमन खुराना,भारती सेतिया आदि मौजूद रहे।

लघु उद्योग भारती के मेरठ संभाग के अनुपम गुप्ता बने महासचिव

भारत संवाद

सहारनपुर। आज से 5 वर्ष पूर्व लघु उद्योग भारती की स्थापना जिले में करने वाले अनुपम गुप्ता सहारनपुर लघु उद्योग भारती के पहले जिला अध्यक्ष बने उसके बाद उनकी कार्यकुशलता कों देखते हुए संगठन ने मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया और लगातार संगठन को सशक्त करते हुए आगे बढ़ते चले गए ।मंडल अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए मंडल के अंतर्गत आने वाले तीनों जिलों में लघु उद्योग भारती का विस्तार किया और उसके बाद संगठन की दिशा नीति के अनुरूप कार्य करते चले गए ।लघु उद्योग भारती ने इनके कार्यकाल में एक अच्छा नाम अर्जित किया इस सब को देखते हुए संगठन ने मेरठ संभाग का महासचिव इनको मनोनीत किया मेरठ संभाग में 14 जिले आते हैं जो पश्चिमी यूपी के बहुत बड़े जिले हैं लगातार संगठन का विस्तार करते हुए और अपने कार्य को आगे बढ़ते हुए अनुपम गुप्ता जी की यह यात्रा बहुत ही रोचक और प्रेरणादायक रही है बहुत ही कम संगठन ऐसे है जिन्होंने इतने कम समय में इतना नाम कमाया आज लघु उद्योग भारती से जुड़कर सभी सदस्य अपने आप को मजबूत और सुरक्षित महसूस करते हैं शासन प्रशासन के मध्य समन्वय का कार्य जो अनुपम ने किया वह अभूतपूर्व है जो पौधा आज से 5 वर्ष पूर्व लगाया गया था वह आज विशाल वट वृक्ष बन चुका है ।इस अवसर पर अंकित गोयल मंडल अध्यक्ष आलोक जय जिलाध्यक्ष मुजफ्फरनगर से राजेश जैन मंडल महासचिव और सहारनपुर वरुण जिलाध्यक्ष आदेश मंडल उपाध्यक्ष राजीव शौर्य व संचित महामंत्री मुकेश कोषाध्यक्ष सुशील मयंक विपुल विशाल संजीव राजीव आनंद संजय दुष्यंत पुनीत आशीष सुशील मुकेश नवनीत संजय प्रमोद अजेश व एनी कई उद्यमियों ने भाग लिया।

डीएम व एसपी की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

भारत संवाद

सुलतानपुर, जिलाधिकारी कुमार हर्ष, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की संयुक्त अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी गणेश पूजा महोत्सव 2025 कलश/मूर्ति स्थापना, बारावफात ईद-ए-मिलाद, अनंत चतुर्दशी/ गणेश पूजा महोत्सव-2025-पूर्णाहुति/आंशिक विसर्जन शोभायात्रा, गणेश पूजा महोत्सव 2025-विसर्जन शोभायात्रा, यूपी एस.एस.एस.सी. द्वारा आयोजित पी.ई.टी. परीक्षा-2025 के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट, समस्त क्षेत्राधिकारी (पुलिस) सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा समस्त तहसील स्तरीय अधिकारियों के साथ बिन्दुवार गहन चर्चा की गयी। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि सभी तसीलवार/थानावार शांति/कानून व्यवस्था एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने हेतु पीस कमेटी की बैठक अवश्य कर ली जाय। सभी के द्वारा अवगत कराया गया कि पीस कमेटी की बैठक कर ली गयी है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी 63 समितियों को निर्देशित किया गया कि सभी अपने-अपने वालेन्टियर्स की तैनाती कर सूची प्रशासन को उपलब्ध करा दें। उन्होंने विभिन्न त्यौहारों में डी.जे. की ध्वनि व ऊंचाई मानक के अनुरूप रखने व प्रशासन से अनुमति लेने के निर्देश सभी समितियों को दिये। उन्होंने कहा सभी आयोजन वाले स्थानों पर सी.सी.टी.वी. कैमरा अवश्य लगवायें, जिसकी मॉनिटरिंग नजदीकी पुलिस थाने से की जायेगी। उन्होंने कहा कि सभी वालेन्टियर्स को आईडी कार्ड जरूर उपलब्ध करायें, डे-नाइट लगे सभी वालेन्टियर्स की सूची उपलब्ध करा दें। उन्होंने अधिशाषी अभियन्ता पी0डब्ल्यू0डी0 को सड़क की मरम्मत कराने, ए.सी. विद्युत को विद्युत व्यवस्था से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जुलूस निकालने वाले सभी मार्ग सी.सी.टी.वी. से कवर होने चाहिये। सभी जुलूस व आयोजन की वीडियोग्राफी अवश्य करायी जाय। उन्होंने कहा कि शहर में बिजली, पानी, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह द्वारा सभी समिति के पदाधिकारियों को स्वयं के उत्तरदायित्व निर्धारण हेतु सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी मिलजुल कर आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनायें।उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन आपके सहयोग के लिये तत्पर रहेगा।उन्होंने कहा कि सभी स्थानों पर सी.सी.टी.वी. कैमरा, यातायात की व्यवस्था व डी.जे. की ध्वनि मानक के अनुरूप रखें।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः- 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2025/576 दिनांकः 19.08.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-967-2025

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल में घिसे संपर्क तार को हटा कर मौजूदा ओएचई में सुधार का कार्य।

अनुमानित लागतः रु.1,00,51,706.50 | बिड सुरक्षा राशिः रु. 2,00,300.00

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 10.09.2025, 14:00 बजे | बोली प्रणालीः एक पैकेट

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 10.09.2025, 15:00 बजे | कार्य अवधिः 18 महीना

नोटः(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1499/25 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1–संरक्षक–भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2–संरक्षक–भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3–संरक्षक–भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4–कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5–उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक– अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०–9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

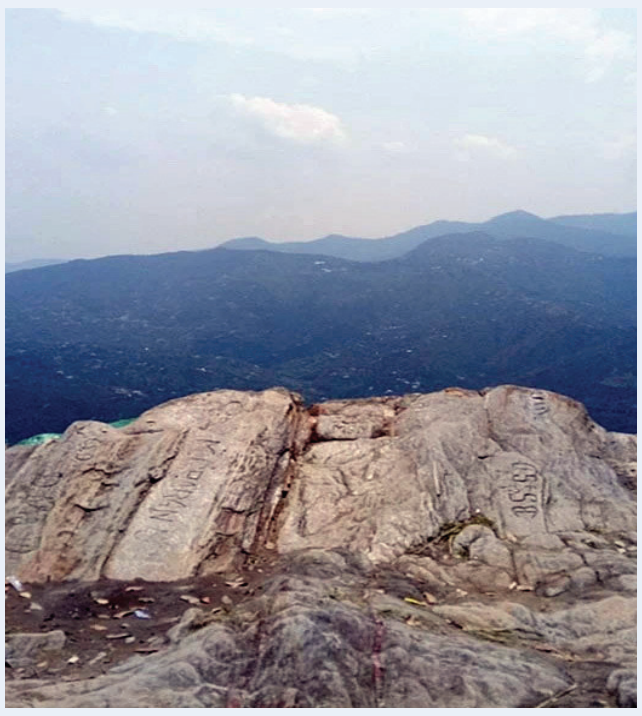

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैंपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप

देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौल्टी को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप चाहें को वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरनीगढ़

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है बनीरगढ़

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान

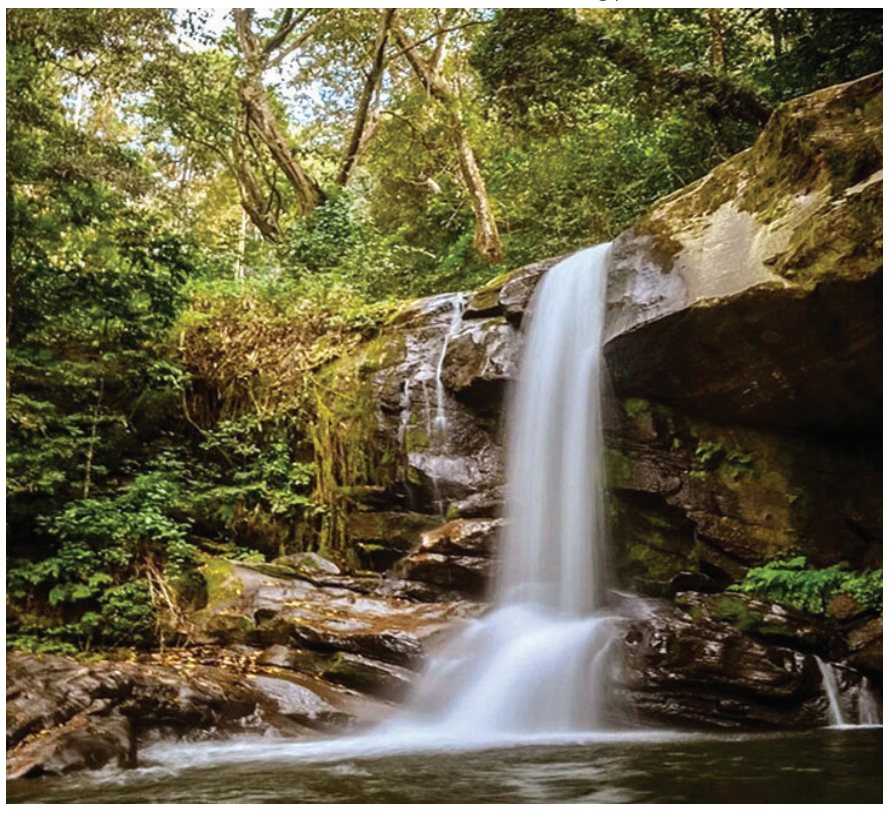

जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलैक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सर्दियों में अक्तूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौंकाता है।

इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

निक्की हेली बोलीं- भारत से रिश्ते बिगाड़ना बड़ी गलती

ट्रम्प को चेताया- भरोसा टूटा तो 25 साल की मेहनत खराब होगी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने भारत से संबंधों को लेकर ट्रम्प प्रशासन को चेतावनी दी है। न्यूजवीक मैगजीन में लिखे अपने आर्टिकल में निक्की कहा कि अगर भारत के साथ 25 साल में बना भरोसा टूटता है, तो यह एक रणनीतिक गलती होगी। निक्की ने यह आर्टिकल ट्रम्प के भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ और उसके दोनों देशों के संबंध पर असर के बारे में लिखा है। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन को सलाह दी है कि वह भारत को एक और लोकतांत्रिक साझेदार माने। 'भारत-अमेरिका के रास्ते अलग लेकिन मंजिल एक' निक्की ने आर्टिकल की शुरूआत रीगन और इंदिरा गांधी के बीच 43 साल पहले हुए एक मुलाकात से की है। उन्होंने लिखा- जुलाई 1982 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने व्हाइट हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लिए डिनर रखा था। उस

समय उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका दो आजाद देश हैं। कभी-कभी हमारे रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है। लेकिन चार दशक बाद आज अमेरिका-भारत संबंध मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। निक्की ने अपने आर्टिकल में आगे लिखा कि चीन पर रूस से तेल खरीदने के बावजूद कोई प्रतिबंध नहीं है, जबकि भारत पर अमेरिकी टैरिफ लगाए जा रहे हैं। हेली के मुताबिक यह दिखाता है कि अमेरिका- भारत रिश्तों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। हेली ने कहा कि भारत ही वह देश है जो एशिया में चीन की बढ़ती ताकत को बैलेंस कर सकता है। पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का यह उभार चीन की महत्वाकांक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक विवाद को अगर लंबे समय के लिए बढ़ाया गया, तो चीन इसका फायदा उठा लेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीधे पीएम मोदी से बात करें और रिश्तों को फिर से पटरी पर लाएं। हेली ने कहा कि लंबी समय के लिए भारत का महत्व और गहरा है। भारत ने 2023 में चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनना शुरू कर दिया है।

जहां चीन की ज्यादातर आबादी बूढ़ी हो रहा है, वहीं भारत में ज्यादातर काम करने वाले लोग अभी जवान हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पछाड़कर चौथे नंबर पर आ जाएगा। भारत का उभार चीन के बाद की सबसे बड़ी भू-राजनीतिक घटना है और यही चीन की महत्वाकांक्षाओं को सबसे बड़ी चुनौती देगा। फर्क ये है कि भारत लोकतंत्र है, इसलिए उसका उभार दुनिया के लिए खतरा नहीं, बल्कि अवसर है। अमेरिका को भारत को वैसा ही महत्व और संसाधन देने चाहिए जैसा वह चीन या इजराइल को देता है।

भारत और अमेरिका की दोस्ती और दशकों पुराना भरोसा मौजूदा मुश्किलों को पार करने का मजबूत आधार है।

पूर्व पाक पीएम इमरान खान को 8 मामलों में जमानत

इसमें मिलिट्री हेडक्वार्टर पर हमले का भी केस, लेकिन जेल से रिहा नहीं होंगे

एजेंसी

इस्लामाबाद, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 9 मई 2023 के दंगों से जुड़े 8 मामलों में जमानत दे दी। इमरान खान के समर्थकों ने 9 मई को रावलपिंडी में सेना के जनरल हेडक्वार्टर्स और लाहौर में सैन्य अधिकारियों के घर पर हमला किया था। इमरान खान पर आरोप था कि उन्होंने इस दंगे की साजिश रची थी। इमरान की जमानत का फैसला मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी की अगुआई वाली तीन जजों की बेंच ने सुनाया। इमरान फिलहाल रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। कोर्ट के

इस फैसले के बाद भी इमरान जेल से रिहा नहीं होंगे, क्योंकि उनके खिलाफ कई अन्य मामले लंबित हैं और वे 50 अरब पाकिस्तानी रुपए के भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा काट रहे हैं। लाहौर की एक काउंटर टेररिज्म अदालत ने नवंबर 2024 में इमरान को इन मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद, लाहौर हाई कोर्ट ने भी 24 जून को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इमरान खान ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। इमरान की तरफ से वकील ने दलील दी थी कि दंगों के वक्त वे नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) की हिरासत में थे, इसलिए घटनाओं में शामिल होना मुमकिन नहीं था। उन्होंने एफआईआर में लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ गवाहों के बयान, व्हाट्सएप चैट और वॉइस-मैचिंग टेस्ट का हवाला दिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबूतों की जांच ट्रायल कोर्ट में ही होगी। इमरान खान की अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार केस में गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में 9 मई 2023 को बड़े पैमाने पर दंगे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी और सैन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा था। इसके बाद इमरान खान और पीटीआई के कई नेताओं पर दंगे भड़काने का आरोप लगा था। इमरान पर लाहौर में कॉर्प्स कमांडर के घर पर हमले सहित कई केस दर्ज हुए थे।

अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का निधन

माता-पिता के केस सुनने के लिए बच्चों को बुलाते थे; दयालु जज के नाम से फेमस हुए

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का बुधवार को निधन हो गया। वे 88 साल के थे। कैप्रियो लंबे समय से पैंक्रियाटिक कैंसर से लड़ रहे थे। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की जानकारी दी। कैप्रियो अपने कोर्ट शो 'कॉट इन प्रोविडेंस' से दुनियाभर में मशहूर हुए। यह शो 2018 से 2020 तक चला और कई डेटाइम एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुआ। उनकी दया और इंसानियत भरे फैसलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं। उन्होंने कई बार गरीब परिवारों के चालान माफ किए और लोगों को हौसला बढ़ाया।

सोशल मीडिया पर कैप्रियो के कई वीडियो वायरल

जज फ्रैंक कैप्रियो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनके इंस्टाग्राम पर उनके 34 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके वीडियो को ऑनलाइन अरबों बार देखा गया।

एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया

कैप्रियो ने रविवार को ही इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और वे फिर से अस्पताल में हैं। उन्होंने लोगों से प्रार्थना करने की अपील की थी।

कैप्रियो को लोग दुनिया का सबसे दयालु जज कहते थे। उनका मानना था कि न्याय में दया और इंसानियत जरूर होनी चाहिए।

रोड आइलैंड में एक दिन के लिए झंडा आधा झुकाया

कैप्रियो का जन्म अमेरिका के रोड आइलैंड में हुआ था। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने उन्हें राज्य का असली खजाना बताया। राज्य में उनके सम्मान में झंडे आधे झुका दिए गए हैं। उन्होंने लंबे समय तक म्युनिसिपल जज के तौर पर काम किया। 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें कैंसर है।

इलाज के दौरान वे लगातार लोगों से जुड़े रहे और अपडेट देते रहे। कैप्रियो पारिवारिक जीवन में भी बेहद समर्पित थे।

परिवार ने कहा कि वे एक अच्छे पति, पिता, दादा और परदादा के रूप में याद किए जाएंगे। कैप्रियो की दयालुता और इंसानियत की मिसाल हमेशा याद रखी जाएगी।

बेटे की हत्या कर फरार अमेरिकी महिला भारत में गिरफ्तार

एफबीआई की टॉप-10 मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में शामिल, 2 करोड़ रुपए का इनाम था

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने टेक्सास की एक टॉप-10 मोस्ट वांटेड भगोड़ी महिला को भारत से गिरफ्तार किया है। सिंडी रॉड्रिगेज सिंह नाम की इस महिला पर अपने ही 6 साल के बेटे नोएल रोड्रिग्ज की हत्या का आरोप है। एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर बताया कि सिंडी ने अपने ठिकाने के बारे में झूठ बोला था और फिर भारत भाग गई थी। भारतीय अधिकारियों और इंटरपोल की मदद से

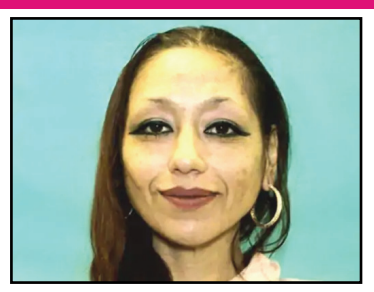

एफबीआई ने 20 अगस्त 2025 को भारत में सिंडी को हिरासत में लिया। उसे अमेरिका वापस भेज दिया गया है, जहां उस पर कानूनी कार्रवाई होगी। सिंडी एफबीआई की टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़ों की लिस्ट में शामिल थी। एफबीआई ने उनकी खबर देने वाले को 2.50 लाख डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपए) इनाम का ऐलान किया था। काश पटेल के मुताबिक, वह पिछले 7 महीने में गिरफ्तार होने वाली चौथी मोस्ट वांटेड भगोड़ी है। जांच के दौरान सिंडी ने दावा किया था कि नोएल नवंबर 2022 से अपने बायोलॉजिकल पिता के साथ मेक्सिको में है। लेकिन दो दिन बाद वह अपने पति अर्शदीप और छह बच्चों के साथ भारत के लिए फ्लाइट में देखी गई थी, जिसमें नोएल नहीं था। टेक्सास अधिकारियों ने नवंबर 2023 में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। एफबीआई ने जुलाई 2025 में सिंडी को अपनी मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल किया था। सिंडी रोड्रिगेज का जन्म 1985 में टेक्सास के डलास में हुआ था। उसका भारत और मेक्सिको से भी रिश्ता था। अमेरिका पहुंचने के बाद सिंडी को टेक्सास के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा, जहां उस पर हत्या और अन्य आरोपों में मुकदमा चलेगा। सिंडी की गिरफ्तारी से पहले एफबीआई के डलास प्रमुख जो रॉथरॉक ने कहा था कि नोएल की गुमशुदगी और हत्या का मामला हम सबके दिल में है।

बीजेपी ने वोट कटवाकर पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों का हक छीना:अखिलेश यादव

एजेंसी

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेस रिलीज जारी कर बीजेपी, चुनाव आयोग और यूपी की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल खड़े किये.

लखनऊः सपा की ओर से गुरुवार को जारी की गयी प्रेस रिलीज में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर सियासी हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग और प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया. बीजेपी के पास विपक्ष के सवालों का ठोस जवाब नहीं है. यूपी में इस बार पीडीए की सरकार बनेगीः सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमने 18 हजार हलफनामे दिए, लेकिन भाजपा चुनाव आयोग जिलाधिकारी की तिकड़ी अभी तक सिर्फ 14 पर ही आधी-अधूरी सफाई दे पाई है. 18 हजार में से 14 घटा भी दें, तो 17,986 का हिसाब बाकी है. यही है हक का गणित. भाजपा ने समाज का वोट कटवाकर या कुछ समय के लिए हटवाकर वोट का हक छीना था, अब पीडीए समाज ने ठान लिया है कि वो भाजपा को हमेशा के लिए ही हटा देगा। न हकमारी चलेगी, न मतमारी, इस बार पीडीए सरकार हमारी होगी. उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) का वोट कटवाकर उनका लोकतांत्रिक हक छीना था. अब यह समाज ठान चुका है कि भाजपा को हमेशा के लिए सत्ता से बेदखल करेगा. यूपी में स्वास्थ्य सेवाएं चौपट, भ्रष्टाचार चरम परः अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह चौपट कर दिया है. प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में बेड, दवाइयों और डॉक्टरों की कमी है. स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ बयानबाज करते हैं. विभागीय भ्रष्टाचार और बदइंतजामी के चलते लोगों की जान जा रही है. चुनाव आयोग से लेकर ज़िलाधिकारी तक और सीओ से लेकर लेखपाल तक सब जुगाड़ करने के बाद भी भाजपा-चुनाव आयोग-ज़िलाधिकारी की तिकड़ी सरकार को संवेदनशील होना चाहिएः सपा अध्यक्ष ने अयोध्या में ऑक्सीजन और बेड न मिलने से एक बच्चे की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं अब आम हो गई हैं. स्वास्थ्य मंत्री पीड़ित परिवार को उनका बेटा तो वापस नहीं कर सकते, लेकिन मुआवजा देकर कुछ पश्चाताप तो किया जा सकता है. सरकार को संवेदनशील होना चाहिए. आंकड़ों से जनता को गुमराह कर रही बीजेपीः अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आंकड़ों के सहारे जनता को गुमराह कर रही है

हर शादी में कुछ न कुछ झगड़े होते हैं, अलग रहना है तो शादी न करें : सुप्रीम कोर्ट

कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि मैं अपने जीवनसाथी से पूरी तरह स्वतंत्र रहना चाहता हूँ।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कार्यवाही के दौरान कहा कि विवाह का अर्थ है दो आत्माओं, दो व्यक्तियों का मिलन। कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि मैं अपने जीवनसाथी से पूरी तरह स्वतंत्र रहना चाहता हूँ।

एजेंसी

विवाह और निर्भरता पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि विवाह के दौरान पति या पत्नी के लिए पूर्ण स्वतंत्रता का दावा करना असंभव है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने आगाह किया कि जो लोग एक-दूसरे पर निर्भर रहने को तैयार नहीं हैं, उन्हें विवाह के बंधन में बंधना ही नहीं चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कार्यवाही के दौरान कहा कि विवाह का अर्थ है दो आत्माओं, दो व्यक्तियों का मिलन। कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि मैं अपने जीवनसाथी से पूरी तरह स्वतंत्र रहना चाहता हूँ। ये टिप्पणियाँ एक अलग रह रहे दंपति और उनके दो नाबालिग बच्चों से जुड़े विवाद की सुनवाई के दौरान आईं। पति, जो सिंगापुर में काम करता है, वर्तमान में भारत में है, जबकि पत्नी हैदराबाद में रहती है। पीठ ने बच्चों के लिए चिंता व्यक्त करते हुए जोर दिया, अगर वे साथ आ जाते हैं, तो हमें खुशी होगी क्योंकि बच्चे बहुत छोटे हैं। उनका क्या कसूर है कि उन्हें टूटे हुए घर का सामना करना पड़े? वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुई पत्नी ने दलील दी कि उसके पति की दिलचस्पी सिर्फ हिरासत और मुलाकात में है, सुलह में नहीं। उसने यह भी दावा किया कि उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला है, जिससे एक अकेली माँ के तौर पर उसका जीवन मुश्किल हो गया है। पीठ ने पत्नी से पूछा कि वह सिंगापुर क्यों नहीं लौट सकती, जहाँ कभी उसकी और उसके पति की सबसे अच्छी नौकरियाँ थीं। उसने जवाब दिया कि उसके पति के पिछले कामों के कारण उसके लिए वापस जाना लगभग नामुमकिन हो गया है। उसने अपनी आजीविका के लिए काम करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

सतीश गोलचा होंगे दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर, एसबीके सिंह का लेंगे स्थान, संभाल रहे थे तिहाड़ जेल की कमान

गृह मंत्रालय द्वारा 21 अगस्त को जारी आदेश में कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से, सतीश गोलचा, आईपीएस (एजीएमयूटी: 1992), जो वर्तमान में दिल्ली के महानिदेशक (कारागार) के पद पर तैनात हैं, को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक दिल्ली के पुलिस आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एजेंसी

वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सतीश गोलचा को दिल्ली पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने इसको लेकर जानकारी दी है। 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी सतीश गोलचा वर्तमान में दिल्ली में महानिदेशक (कारागार) के पद पर तैनात हैं। गृह मंत्रालय द्वारा 21 अगस्त को जारी आदेश में कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से, सतीश गोलचा, आईपीएस (एजीएमयूटी: 1992), जो वर्तमान में दिल्ली के महानिदेशक (कारागार) के पद पर तैनात हैं, को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक दिल्ली के पुलिस आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता है। गोलचा, होमगार्ड्स के महानिदेशक एसबीके सिंह का स्थान लेंगे, जिन्हें गृह मंत्रालय ने 1 अगस्त को दिल्ली पुलिस का कार्यवाहक आयुक्त नियुक्त किया था।यह घटनाक्रम दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सिविल लाइंस स्थित उनके आधिकारिक आवास पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान हुए हमले के एक दिन बाद हुआ है।

भारत से बांग्लादेश विरोधी गतिविधियां नहीं...

सरकार भारतीय धरती से अन्य देशों के विरुद्ध राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देती है। इसलिए, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रेस वक्तव्य गलत है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बुधवार को भारत से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए कि उसकी धरती से कोई भी बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश विरोधी गतिविधि न करे।

यूनूस सरकार के दावे पर भारत ने दिया दो टूक जवाब

एजेंसी

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बांग्लादेश के उन दावों का कड़ा खंडन किया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के सदस्य भारतीय धरती पर बांग्लादेश विरोधी गतिविधियाँ चला रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। भारत सरकार को भारत में अवामी लीग के कथित सदस्यों द्वारा बांग्लादेश विरोधी किसी भी गतिविधि या भारतीय कानून के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई की जानकारी नहीं है। सरकार भारतीय धरती से अन्य देशों के विरुद्ध राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देती है। इसलिए, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रेस वक्तव्य गलत है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बुधवार को भारत से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए कि उसकी धरती से कोई भी बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश विरोधी गतिविधि न करे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार का ध्यान उन रिपोर्टों की ओर आकर्षित किया गया है जिनमें कहा गया है कि प्रतिबंधित अवामी लीग ने भारत में कार्यालय स्थापित किए हैं। मंत्रालय ने भारतीय अधिकारियों से आग्रह किया कि वे किसी भी तरह से ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति या समर्थन न दें। इसमें भारतीय धरती पर प्रतिबंधित बांग्लादेश अवामी लीग के राजनीतिक कार्यालयों को तत्काल बंद करने की भी मांग की गई।छात्रों के नेतृत्व वाले एक आंदोलन ने 5 अगस्त, 2024 को अवामी लीग की सरकार को उखाड़ फेंका, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गईं। बयान में कहा गया बांग्लादेशी नागरिकों, खासकर किसी प्रतिबंधित राजनीतिक दल के फरार नेताओं/कार्यकर्ताओं द्वारा, भारतीय धरती पर कानूनी या अवैध रूप से रहकर, कार्यालयों की स्थापना सहित, बांग्लादेश के हितों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि, बांग्लादेश की जनता और राज्य का स्पष्ट अपमान है।